बर्ष:- 06
अंक:- 48
मुरादाबाद
(Monday)
08 June 2026
पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

महंगे सिलिंडर पर विपक्ष ने उठाए सवाल, सरकार बोली- दुनिया में सबसे कम

एलपीजी सिलिंडर की कीमत में 29 रुपये की बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में घरेलू गैस सिलिंडर 942 रुपये का हो गया है। केंद्र सरकार का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय संकट और होर्मुज में तनाव के बावजूद भारत में गैस दुनिया के कई देशों से सस्ती है। उज्ज्वला लाभार्थियों को 642 रुपये में सिलिंडर मिल रहा है। वहीं कांग्रेस ने भी कई आरोप लगाए।देश में घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमत एक बार फिर बढ़ने के बाद सियासत तेज हो गई है। केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलिंडर की कीमत में 29

रुपये की बढ़ोतरी की है, जिसके बाद दिल्ली में 14.2 किलो वाला घरेलू सिलिंडर 942 रुपये का हो गया है। इस बढ़ोतरी के बाद कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने सरकार पर जनता पर महंगाई का बोझ डालने का आरोप लगाया है। वहीं केंद्र सरकार का कहना है कि भारत में आज भी गैस सिलिंडर दुनिया के कई देशों के मुकाबले काफी सस्ता मिल रहा है और सरकार आम लोगों को बड़ी राहत दे रही है।आखिर गैस सिलिंडर की कीमत फिर क्यों बढ़ी? पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में संकट की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमत तेजी से बढ़ी है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय कीमतों का असर सीधे घरेलू बाजार पर पड़ता है।सरकार ने बताया कि फरवरी 2026 में सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस करीब 543 डॉलर प्रति टन थी, लेकिन पश्चिम एशिया संकट और होर्मुज मार्ग पर असर पड़ने के बाद यह बढ़कर जून में करीब 790 डॉलर प्रति टन पहुंच गई। यानी चार महीनों में करीब 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसी वजह से गैस कंपनियों की लागत बढ़ी और सिलिंडर महंगा करना पड़ा।भारत में घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमत बढ़ने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या वाकई भारत में गैस दूसरे देशों के मुकाबले सस्ती है। सरकार ने अलग-अलग देशों के आंकड़े जारी कर दावा किया है कि भारतीय उपभोक्ता अभी भी दुनिया के कई देशों से कम कीमत पर रसोई गैस खरीद रहे हैं। भारत में सामान्य उपभोक्ता को 14.2 किलो का घरेलू सिलिंडर 942 रुपये में मिल रहा है। वहीं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 300 रुपये की सब्सिडी मिलने के बाद यही सिलिंडर प्रभावी रूप से 642 रुपये का पड़ता है। सरकार का कहना है कि यह दुनिया में सबसे कम कीमतों में से एक है। पड़ोसी देशों की बात करें तो पाकिस्तान में इसी वजन का सिलिंडर करीब 1046 रुपये का है। नेपाल में इसकी कीमत 1207 रुपये तक पहुंच गई है। बांग्लादेश में घरेलू गैस सिलिंडर करीब 1225 रुपये में मिल रहा है, जबकि श्रीलंका में इसकी कीमत लगभग 1241 रुपये बताई गई है। यानी भारत की तुलना में इन देशों में रसोई गैस ज्यादा महंगी है। विकसित देशों में कीमतें और ज्यादा हैं। अमेरिका में 14.2 किलो के बराबर घरेलू गैस सिलिंडर की कीमत करीब 1755 रुपये बताई गई है। ऑस्ट्रेलिया में यह करीब 1765 रुपये तक पहुंचती है। सबसे ज्यादा कीमत कनाडा में देखने को मिलती है, जहां इसी मात्रा की गैस करीब 2411 रुपये में मिलती है। सरकार का दावा है कि अगर भारत में भी गैस की कीमत पूरी तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार के हिसाब से तय की जाए तो एक घरेलू सिलिंडर 1600 रुपये से ज्यादा का हो सकता है। लेकिन केंद्र सरकार और सरकारी तेल कंपनियां अभी भी बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही हैं ताकि आम लोगों पर पूरा बोझ न पड़े।सरकार का कहना है कि एलपीजी की असली लागत और बाजार मूल्य के बीच का अंतर सरकारी तेल कंपनियां और केंद्र सरकार मिलकर उठा रही हैं। सरकार ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में घरेलू एलपीजी पर अंडर-रिकवरी 60 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी। इसमें से 30 हजार करोड़ रुपये की भरपाई के लिए केंद्र सरकार ने मंजूरी दी है।

पेट्रोलियम मंत्रालय का कहना है कि उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से ज्यादा परिवारों को सीधी सब्सिडी मिल रही है। सरकार ने यह भी कहा कि भारत उन गिने-चुने देशों में शामिल रहा जिसने पश्चिम एशिया संकट के दौरान भी अपनी ऊर्जा सप्लाई को नहीं रुकने दिया। भारतीय जहाज लगातार होर्मुज मार्ग से तेल और गैस लेकर आते रहे, जिससे देश में किसी तरह की कमी नहीं हुई।

न्यायपालिका को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी पर AIBA सख्त, कहा- इससे घटती है संस्थानों की गरिमा

ऑल इंडिया बार एसोसिएशन ने राहुल गांधी के न्यायपालिका पर दिए गए बयान की कड़ी निंदा की है। AIBA ने इसे जिम्मेदारीहीन और नुकसानदायक बताते हुए कहा कि इससे न्यायपालिका की गरिमा प्रभावित होती है।कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा न्यायपालिका को लेकर की गई टिप्पणी पर देश की कानूनी बिरादरी में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। ऑल इंडिया बार एसोसिएशन (एआईबीए) ने उनके बयान की कड़ी निंदा करते हुए इसे जिम्मेदारीहीन, भ्रामक और संस्थागत गरिमा को नुकसान पहुंचाने वाला बताया है।एआईबीए के अध्यक्ष अदिश सी अग्रवाल ने एक बयान जारी कर कहा कि राहुल गांधी का बयान देश की न्यायपालिका की साख और विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है, जो अत्यंत गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि भारतीय न्यायपालिका संविधान के तहत एक महत्वपूर्ण और पवित्र संस्थान है, जो कानून के शासन और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करती है। ऐसे में किसी भी तरह के सामान्यीकृत आरोप न्याय व्यवस्था पर जनता के विश्वास को कमजोर करते हैं।न्यायपालिका की भूमिका पर जोर-अग्रवाल ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका ने अपनी स्वतंत्रता, निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के कारण दुनिया भर में सम्मान अर्जित किया है। ऐसे में किसी भी प्रकार की टिप्पणी जो न्यायाधीशों की निष्पक्षता पर संदेह पैदा करे, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए हानिकारक है।क्या था राहुल गांधी का बयान?- राहुल गांधी ने हाल ही में कांग्रेस के एक कार्यक्रम में दावा किया था कि उन्हें मुख्य चुनाव आयुक्त, खुफिया तंत्र के प्रमुख और वरिष्ठ न्यायपालिका के सदस्यों से संबंधित संदेश मिल रहे हैं और सिस्टम के भीतर संस्थागत विद्रोह जैसी स्थिति बन रही है। इसी बयान को लेकर विवाद खड़ा हुआ है, जिस पर अब कानूनी और राजनीतिक हलकों में बहस तेज हो गई है। राजनीतिक और कानूनी हलकों में बहस तेज- इस पूरे मामले ने एक बार फिर राजनीति और न्यायपालिका के संबंधों को लेकर बहस छेड़ दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि संवैधानिक संस्थाओं पर सार्वजनिक बयान देते समय नेताओं को अधिक सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि जनता का विश्वास किसी भी स्थिति में कमजोर न हो।

संक्षिप्त समाचार

सूरत में ज्वेलरी फैक्ट्री में बड़ा हादसा, टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस से चार मजदूरों की मौत

गुजरात के सूरत में एक ज्वेलरी निर्माण इकाई के सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से एक सुपरवाइजर समेत चार मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मजदूरों के पास सुरक्षा उपकरण नहीं थे। मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।सूरत में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में चार मजदूरों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना गुजरात के सूरत शहर के अश्विनी कुमार इलाके में स्थित एक ज्वेलरी निर्माण इकाई में हुई, जहां मजदूर सेप्टिक टैंक की सफाई का काम कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, जिस टैंक की सफाई की जा रही थी, उसमें आभूषणों की सफाई प्रक्रिया से निकलने वाला कचरा और रासायनिक अवशेष जमा होते हैं। इस टैंक की सफाई और रखरखाव हर दो महीने में किया जाता है। रविवार सुबह एक सुपरवाइजर और तीन मजदूर टैंक के अंदर उतरे थे। टैंक में मौजूद जहरीली गैस के कारण सभी की तबीयत अचानक बिगड़ गई और वे बेहोश होकर गिर पड़े।घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। सभी चारों लोगों को टैंक से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जोन-1 के पुलिस उपायुक्त आलोक कुमार ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि मजदूरों के पास कोई सुरक्षा उपकरण नहीं था।

बंगाल में टीएमसी का फ्यूज उड़ा ममता के अपने ही उन्हें सजा दे रहे हैं, भाजपा सांसद ने दिया बयान

भाजपा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि ममता बनर्जी ने बंगाल में जो अत्याचार किए हैं और करवाएं हैं उससे शर्मिंदा होकर अब उनके अपने ही उनसे दूरियां बना रहे हैं और उन्हें सजा दे रहे हैं।भाजपा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव हारने के बाद ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी का फ्यूज उड़ चुका है। बंगाल ने उन्हें पूरी तरह नकार दिया है। जिस तरह से उन्होंने अपने शासनकाल में अत्याचार किए और करवाए थे उससे शर्मिंदा होकर अब उनके अपने ही दूरियां बना रहे हैं। ममता बनर्जी को बंगाल की जनता ने सजा दी है और अब उनके अपने भी उन्हें सजा रहे हैं।ममता से दूर होने लगे टीएमसी के नेता- ममता बनर्जी के विधानसभा चुनाव हारते ही उनके नेता दूर होने लगे हैं. विधायकों के बाद अब सांसदों ने भी उन्हें झटका दे दिया है। ममता बनर्जी ने आज मीटिंग बुलाई थी, मगर 41 में से सिर्फ 5 सांसद ही पहुंचे। लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के कुल 29 सांसद हैं। इनमें से 1 की मौत हो गई है तो लोकसभा के कुल 28 सांसद हुए। इन 28 सांसदों में से महज 3 सांसद ही ममता की मीटिंग में पहुंचे। वहीं राज्यसभा में कुल 13 सांसद हैं। इनमें से सिर्फ दो सांसद ममता बनर्जी की मीटिंग में पहुंचे।दिल्ली में होनी है टीएमसी सांसदों की बैठक- 8 जून को दिल्ली में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक प्रस्तावित है। इसी दिन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए तलब किया है। ऐसे में तृणमूल के भीतर और बाहर दोनों मोर्चों पर नेतृत्व की परीक्षा मानी जा रही है। बागी खेमे से जुड़े सूत्रों का दावा है कि फिलहाल जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाया जाएगा। पहले पर्याप्त संख्या में सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश की जा रही है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि इसके बाद संसदीय स्तर पर अगली रणनीति तय की जा सकती है। बारासात की सांसद काकोली घोष दस्तीदार पहले ही संगठनात्मक पदों से इस्तीफा देकर असंतोष जता चुकी हैं। इसके अलावा देव, रचना बनर्जी, यूसुफ पठान, जून मालिया और सायोनी घोष के नाम भी राजनीतिक चर्चाओं में हैं।

महंगे गैस सिलिंडर पर सियासी संग्राम जारी, शरद पवार बोले- सरकार को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी

घरेलू एलपीजी सिलिंडर के दाम 29 रुपये बढ़ने के बाद विपक्ष ने केंद्र सरकार पर हमला तेज कर दिया है। शरद पवार ने कहा कि महंगाई का राजनीतिक नुकसान सरकार को भुगतना पड़ेगा। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने भाजपा पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया।देश में घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में फिर बढ़ोतरी के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। रसोई गैस सिलिंडर के दाम 29 रुपये बढ़ने के बाद विपक्ष ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा है कि लगातार बढ़ती महंगाई और गैस की कीमतों का राजनीतिक कीमत सरकार को चुकाना पड़ेगा। वहीं कांग्रेस नेताओं ने भी भाजपा पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है।सरकारी तेल कंपनियों ने घरेलू गैस सिलिंडर की कीमत में 29 रुपये की बढ़ोतरी की है। इससे पहले मार्च महीने में भी सिलिंडर के दाम 60 रुपये बढ़ाए गए थे। सरकार का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी के कारण यह फैसला लेना पड़ा। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित होने से भारत पर भी असर पड़ा है। इसी वजह से तेल कंपनियां लगातार दबाव में हैं।शरद पवार ने सरकार पर क्या आरोप लगाए? कोल्हापुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए शरद पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री लगातार महंगाई नियंत्रण की बात करते हैं, लेकिन आम लोगों को हर कुछ दिनों में नए झटके दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी की रसोई का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। पवार ने आरोप लगाया कि महंगाई ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि जनता सब देख रही है और आने वाले समय में सरकार को इसका राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।कांग्रेस ने भाजपा को क्यों घेरा? महाराष्ट्र कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने भी गैस कीमतों को लेकर भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब केंद्र में यूपीए सरकार थी, तब भाजपा नेता गैस सिलिंडर की कीमत बढ़ने पर सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करते थे। लेकिन अब लगातार बढ़ती कीमतों पर भाजपा पूरी तरह चुप है। वडेट्टीवार ने कहा कि पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और कमर्शियल गैस सिलिंडर की कीमतों में भी लगातार बढ़ोतरी हुई है, जिससे आम परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। रसोई गैस की कीमत बढ़ने से सबसे ज्यादा असर मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों पर पड़ रहा है। घरेलू बजट बिगड़ने से लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। पहले से महंगे राशन, बिजली और रोजमर्रा की चीजों के बीच अब गैस सिलिंडर भी महंगा हो गया है। विपक्ष का कहना है कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण पाने में नाकाम रही है। वहीं सरकार और तेल कंपनियों का तर्क है कि अंतरराष्ट्रीय हालात और बढ़ती लागत के कारण कीमतों में बदलाव जरूरी हो गया है।

संपादकीय Editorial

Trump's 'Forced Labor' Tariff

Now, US President Trump wants to become a global champion of 'forced labor.' He targets 54 countries, including India, that have failed to prevent the import of goods manufactured using bonded or forced labor. The US Trade Representative's Office has proposed imposing a 12.5 percent tariff on these countries under Section 301 of the Trade Act. Although the US Supreme Court has declared the 'Trumpist tariffs' illegal, the President still has the authority to impose a 10 percent tariff for a certain period. The global tariff imposed by President Trump using this constitutional provision expires on July 24. In fact, Trump is fundamentally a 'businessman,' and the President's office wants to push the same mindset. If 'forced labor' is prevalent in countries like India, China, Japan, Brazil, Australia, Britain, Saudi Arabia, and so on, why is the US President so concerned? Has Trump also received this contract? Taking India as an example, it is estimated that over 115,000 people are victims of forced labor. They may be child laborers, bonded laborers, or slave laborers. Forced labor is prevalent in the country's brick kilns, agriculture, cotton, textile industries, mining, shrimp processing, domestic work, carpet weaving, stone quarries, and more. Although India also has the Bonded Labor System (Abolition) Act, what impact are these conditions having on the United States? This is not a US problem, but Trump can do anything and use any justification for tariffs.

The US President has chosen another area for new tariffism. What concrete and effective efforts has the US made regarding bonded and child labor or generational slavery? In fact, this proposal for a "forced labor" tariff comes at a time when 99% of the framework for a bilateral trade agreement has been finalized with the US delegation in India. This has also been confirmed by Union Industry and Commerce Minister Piyush Goyal. The final 1% is crucial, as India believes the US is resorting to unauthorized actions through the "forced labor" tariff. President Trump now wants to compensate for the losses and damages of the Iran war through another tariff. The US has already spent $100 billion on that imposed, wasteful, and failed war. It is certainly true that President Trump earned $214 billion through "tit-for-tat" tariffs, but after a court order, the US had to refund $165 billion. Despite this, President Trump remains undeterred. He is so fond of "forced tariffs" that he has prepared a proposal to impose tariffs on dozens of trading partner countries. On the other hand, Canada, Pakistan, Mexico, Indonesia, and other countries have been identified as importing goods with minimal or no forced labor. The US will impose a 10% tariff on them. It's not going to spare anyone, as it needs to balance the US economy. Consider the hypocrisy of US law: when it comes to "forced labor," it exempts rare minerals, certain other metals, coffee, pharmaceuticals, and aircraft parts. If the US finds the ongoing exploitation in cobalt mines favorable or benefits it, then that exploitation is also welcome. Wow! Superpower America! However, the proposal has been put forward. It still needs to be implemented in 54 countries, including India. The hearing has been scheduled for June 22nd, but the intentions of the US and President Trump are clear. This could also be a threat from the US to secure further concessions from India in the trade agreement. India should not succumb to "American blackmail" and should respond firmly to the proposed tariffs. Trump is difficult to understand. He sometimes imposes tariffs, sometimes rescinds them. On one hand, he calls India his friend, while on the other, he threatens to impose new tariffs. Despite the US Supreme Court's decision, he is not abandoning his authoritarian.

Life Stream: Unraveling the mysteries of the world is life, the key: Grow despite difficulties

The purpose of life is not merely to survive, but to learn, discover, grow, and constantly challenge your limits. The world is full of mysteries, and the journey to discover them is life itself. I have not seen life with my eyes, nor heard its music with my ears. Yet, I can say that life is a great adventure. I am not saying this from a book, but from the darkness and silence in which I have lived my life. When I was very young, illness took away my ability to see and hear. Suddenly, the world became a room with no light or sound. I could not see people's faces, hear birdsong, or understand the words that connect humans. If someone had asked me then what life was, I would probably have described it as confusion, despair, and loneliness. But later, I learned that life's meaning is not determined by circumstances. The meaning of life lies in the courage with which we face circumstances. Humans always seek security. They want to walk a path free of risk and pain. But I ask, if a seed doesn't risk sprouting in the darkness of the soil, can it ever become a tree? Obviously not. When one of my teachers first wrote the word "water" on my hand and made me touch flowing water on the other side, a new universe opened up within me. At that moment, I realized that the world is full of mysteries, and the journey to explore them is life itself. From that day, I understood that the purpose of life is not just to survive. Even plants survive. The purpose of life is to learn, discover, grow, and constantly challenge one's limits. Many people, despite being physically healthy, remain prisoners of fear. They fear failure, criticism, and change. There are also some who, despite having no resources, are remarkably courageous. They fall, and then rise again. We fail, then try again, and ultimately, only such people are able to achieve the true riches of life. Climbing a mountain is difficult, but conquering our doubts is even more difficult. A person's greatest limitations lie not in their body, but in their thoughts. When we accept that we cannot do anything, we truly lose. Therefore, I tell people to have the courage to live life. Love, even at the risk of heartbreak. Dream, even if they remain unfulfilled. Stand up for justice, even if alone. These are the moments in which life manifests itself in its full dignity. The value of life lies not in longevity, but in the courage with which we live it. And a person who lives courageously finds light even in darkness, hears music even in silence, and experiences infinite possibilities within limitations. The principle: Move forward despite difficulties. The true meaning of life is not to remain confined within safe boundaries, but to move forward with courage. The person who dares to learn, love, dream and challenge their limits despite fear, failure and difficulties, experiences light in darkness, music in silence and infinite possibilities amidst struggles.

Politics and Policy: The BJP surprises everyone again by announcing its Rajya Sabha candidates

Politics and Policy: The BJP surprised everyone by nominating Tarun Chugh and Rajneesh Agarwal for the Rajya Sabha. Discussions are rife in the state regarding the appointment of an organization minister. Meanwhile, Indore-based IPS officer Ananya Awasthi is bringing honor to Odisha by becoming the first woman Governor's ADC. The Bharatiya Janata Party's central leadership has once again surprised everyone. Two names have been announced for the Rajya Sabha elections from Madhya Pradesh. The party has nominated National General Secretary Tarun Chugh and Madhya Pradesh BJP Treasurer Rajneesh Agarwal as its Rajya Sabha candidates. These two names were not widely discussed. Tarun Chugh is considered a trusted and close leader of the party's top leadership. Rajneesh Agarwal has been given this responsibility due to his hard work and dedication to the organization. Who will fill the BJP Organization Minister position? The post of Organization Minister in the Madhya Pradesh BJP has been vacant for several months. No new appointment has been announced since the removal of Hitanand Sharma. Following the appointment of an organization minister in Rajasthan after two and a half years, speculation has now intensified regarding the appointment of a new organization minister in Madhya Pradesh. Two prominent names are emerging. The first is that of Abhay Mahajan, who works at the Deendayal Research Institute in Chitrakoot, while the second is that of Rajmohan, the Malwa Pracharak of the Rashtriya Swayamsevak Sangh. It remains to be seen whether the Madhya Pradesh BJP will soon appoint an organization minister following the Rajasthan pattern. Indore-based IPS officer Ananya Awasthi, a 2022 batch IPS officer of the Odisha cadre, originally from Indore, has brought pride to both Indore and Madhya Pradesh. She has become the first female IPS officer in Odisha to be appointed as ADC (Aide-de-Camp) to the Governor. Upon assuming office, Ananya stated that this is an important responsibility that will provide her with extensive experience. She added that serving a constitutional officer is a matter of pride for her. Ananya's father Ashutosh Awasthi is a retired IAS officer from Madhya Pradesh and currently resides in Indore.

Looking Back: Taking a Pause at Life is Maturity, Not Passivity

Old age offers the ability to pause and observe life. This pause isn't passivity, but rather a form of maturity in which a person begins to recognize life's true priorities. Old age isn't the final stage of life, but rather a time of experience, balance, and spiritual depth, where a person can understand themselves most clearly. Society often considers youth a symbol of energy, speed, and possibilities, but it's equally important that the true roots of any family and culture reside in its elders. They aren't simply older individuals, but witnesses to time, struggle, and the changing nature of life. Elders have experienced life's many ups and downs, so their words hold not just advice but the depth of experience. Youth is often filled with speed and ambition, while youth, in their haste to achieve the future, loses the peace of the present. In contrast, old age offers the ability to pause and observe life. This stagnation is not inactivity, but a form of maturity in which a person begins to recognize the true priorities of life. Today's generation is moving forward rapidly, but if this pace neglects the presence and experiences of elders, society begins to become hollow from within. Young people should spend some time with elders. Even conversations with them can change one's outlook on life. Elders may not have modern solutions to every problem, but they certainly possess the art of maintaining patience in difficult situations. Physical strength may diminish with time, but the dignity of experience and the depth of the mind become more intense. Often, the mere presence of an elder in the home provides stability to a family. They are the guardians of family memories, values, and traditions. A society that respects its elders not only respects its past but also makes its future more sensitive, stable, and humane. Elders are important not because they have lived longer, but because they have a deeper understanding of life.

The Karnataka drama may repeat itself in Bengal! Why is the delay in ministerial portfolio allocations?

Even after the cabinet expansion in Bengal, portfolio allocations are still pending. This has sparked discussions about political balance and potential discontent. The Bengal cabinet was expanded on June 1st, with 35 new ministers sworn in. However, portfolio allocations have not yet been finalized. Meanwhile, after the swearing-in ceremony in Karnataka on June 3rd, the Chief Minister allocated portfolios to ministers. A political drama has also erupted in Karnataka over portfolio allocations. After the formation of the government, the most discussed issue was the displeasure of senior leader Ramalinga Reddy. The discontent over portfolio allocations, followed by his subsequent resignation, has increased the Congress leadership's concern. Indeed, the stability of a government depends not only on a majority in the Legislative Assembly, but also on the ability to maintain political and regional balance within the party. This is why the Bengal Chief Minister and the state BJP President are holding frequent meetings and making frequent visits to Delhi. The delay in portfolio allocation is also being seen as an exercise in political balance. While the results of the Bengal Assembly elections were announced on May 4th, Suvendu Adhikari was sworn in as Chief Minister on May 9th, along with five other ministers. On June 1st, the Bengal Council of Ministers was expanded, with 35 new ministers sworn in. With the induction of the new ministers, the state cabinet has grown to 41 members. Bengal has a total of 23 districts and 42 Lok Sabha seats. Following the formation of the BJP government, the biggest political debate has been the extent to which regional balance of power has been achieved, which districts and Lok Sabha constituencies have received adequate representation, and which areas have been relatively left out. Areas that received significant representation: North Bengal and Jangalmahal are considered to be the most advantaged areas in the government. Cooch Behar, Alipurduar, Jalpaiguri, and Darjeeling in North Bengal have received significant representation. Meanwhile, Purulia, Bankura, Jhargram, and West Medinipur in Jangalmahal have also managed to establish a strong presence in the power structure. Furthermore, Kolkata and North 24 Parganas in South Bengal have also gained significant importance. If we conduct a political analysis based on the 42 Lok Sabha seats, Barrackpore, Darjeeling, Alipurduar, Cooch Behar, Jalpaiguri, Purulia, Bankura, Medinipur, Kolkata North, and Kolkata South emerge as the most benefited seats. Limited Representation Areas: On the other hand, there are some areas that have received relatively less representation. These include Murshidabad, Malda, South Dinajpur, Howrah, Birbhum, and a large part of South 24 Parganas. In terms of Lok Sabha seats, seats like Malda North, Malda South, Murshidabad, Jangipur, Uluberia, Srirampur, Diamond Harbour, Raiganj, and Balurghat can be considered to have relatively weak or limited representation. Overall, the BJP government's power structure clearly reflects the influence of North Bengal and Jangalmahal, while the Malda-Murshidabad belt and parts of South Bengal have not achieved the expected share. However.

खाटू श्याम से लौट रहे चार युवक अलीगढ़ से हिरासत में, लूटकांड में पूछताछ

खाटू श्यामजी के दर्शन कर लौट रहे मुरादाबाद के चार युवकों और कार चालक को एक जनपद की पुलिस ने अलीगढ़ से हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि इन युवकों पर संबंधित जिले में हुई लूट की घटना में शामिल होने का शक है। पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने की सूचना के बाद शुक्रवार रात मुरादाबाद में दो युवकों के घरों पर भी दबिश दी गई, जिसके बाद परिजन घरों में ताला लगाकर चले गए।जानकारी के अनुसार कटघर थाना क्षेत्र के गोविंद नगर निवासी नितिन कुमार की स्विफ्ट डिजायर कार को बलदेवपुरी निवासी शिव कुमार के माध्यम से बसंत विहार निवासी रोहित, नितिन तथा पीपलसाना निवासी सतीश और रिंकू ने बुक किया था। कार चालक अभय भटनागर चारों युवकों को लेकर तीन जून को खाटू श्यामजी के दर्शन के लिए रवाना हुआ था। चार जून की सुबह सभी ने दर्शन किए और शाम को वापस लौट पड़े।बताया गया कि गुरुवार रात करीब 11 बजे चालक अभय ने अपनी मां को फोन कर कहा था कि वह

दो-तीन घंटे में घर पहुंच जाएगा, लेकिन इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। शुक्रवार तक सभी युवकों और चालक के मोबाइल बंद मिले, जिससे परिजन परेशान हो गए। कार मालिक ने फास्टैग की जानकारी निकाली तो पता चला कि गुरुवार रात 11:51 बजे अलीगढ़ में टोल पार किया गया था। इसी दौरान एक अन्य जिले में हुई लूट की घटना की जांच कर रही पुलिस ने शक के आधार पर चारों युवकों और चालक को अलीगढ़ से हिरासत में ले लिया। शुक्रवार देर रात संबंधित जिले की पुलिस मुरादाबाद में रोहित के घर भी पहुंची और पूछताछ की। पुलिस के जाने के बाद परिवार के लोग घर में ताला लगाकर चले गए। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि चारों युवकों और कार चालक के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। मामले की जांच जारीखाटू श्याम धाम से दर्शन कर लौट रहे मुरादाबाद के चार युवक और कार चालक के लापता होने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पता चला है कि उद्योगपति नरेंद्र अग्रवाल के घर हुई दो करोड़ रुपये के सोने की लूट के मामले में हापुड़ पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए उठाया है।खाटू श्याम धाम से दर्शन कर लौटते समय अलीगढ़ से लापता हुए चारों युवक और कार चालक का अब तक पता नहीं चल पाया है। हालांकि सूत्रों का दावा है कि युवकों को हापुड़ पुलिस ने वहां के उद्योगपति के घर से दो करोड़ के सोने की लूट के मामले में उठाया और पूछताछ की जा रही है।हापुड़ पुलिस ने कटघर के बलदेवपुरी में इन युवकों की तलाश में दबिश भी दी थी। शनिवार को रोहित के घर में ताला लटका नजर आया है। कटघर के गोविंद नगर निवासी नितिन कुमार की स्विफ्ट डिजायर कार कटघर के बलदेवपुरी निवासी शिव कुमार के जरिये बलदेवपुरी बसंत विहार निवासी रोहित, नितिन और पीपलसाला निवासी सतीश और रिंकू ने बुक की थी।तीन जून की दोपहर चारों युवकों को उनका चालक गोविंद नगर निवासी अभय भटनागर लेकर रवाना हुआ था।

चार जून की सुबह करीब चार बजे इन लोगों ने दर्शन कर लिए थे और शाम करीब चार बजे रवाना हो गए थे लेकिन पांच जून की सुबह तक भी यह लोग मुरादाबाद नहीं पहुंच पाए थे।सभी के मोबाइल बंद हो गए। आखिरी लोकेशन अलीगढ़ मिली थी। चारों युवक और चालक के परिवार ने कटघर थाने में तहरीर देकर युवकों की तलाश करने की मांग की। लापता युवकों में रोहित पिछले साल अक्तूबर माह में कटघर क्षेत्र में बजरंग दल कार्यकर्ता शोभित की हत्या के मामले में जेल भेजा गया था और करीब 15 दिन पहले ही जमानत पर रिहा हुआ था। उधर, एक जून की रात हापुड़ के देहात थाना क्षेत्र में गिरधारी नगर मोहल्ला निवासी उद्योगपति एवं एटीएमएस कॉलेज के चेयरमैन नरेंद्र अग्रवाल के घर बदमाशों ने धावा बोलकर करीब दो करोड़ रुपये का सोना लूट लिया था। इस मामले में पुलिस ने कुछ संदिग्धों से पूछताछ की। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिये कटघर में बलदेवपुरी निवासी रोहित के घर भी दबिश दी थी लेकिन रोहित और उसका भाई पुलिस को नहीं मिला था। परिवार के लोगों से पूछताछ के बाद टीम चली गई थी। सूत्रों का दावा है कि खाटू श्याम से लौटते समय ही हापुड़ पुलिस ने चारों युवकों और चालक को अलीगढ़ से उठा लिया और उनसे पूछताछ की जा रही है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि चारों युवकों और कार की तलाश की जा रही है। अब तक युवकों का कोई सुराग नहीं लग पाया है।

ये दोहरा मापदंड..., मस्जिद पर चला बुलडोजर तो भड़क गए सपा सांसद बर्क, असद मुठभेड़ को भी बताया फर्जी

समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने असद की मुठभेड़ को फर्जी बताया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में हुए कई मुठभेड़ों पर भी सवाल उठाए। बर्क ने मुठभेड़-बुलडोजर के जरिए सजा दिए जाने का विरोध किया है। मस्जिद पर बुलडोर कार्रवाई पर कार्रवाई की है। लाख कोशिशों के बावजूद संभल प्रशासन जियाउर्रहमान बर्क का। उन्होंने अपने सोशल मीडिया दिए हैं। सांसद का कहना है कि अधिकारियों ने आंखों कानूनी दलीलों को भी नहीं सुना गया। इससे इंसाफ पर नहीं मानता। मस्जिद शहीद होने के बाद पूरे गांव में गम कहा कि नाइंसाफी के खिलाफ यह आवाज हमेशा बुलंद आरोप- वहीं, समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान भी सवाल उठाए। बर्क ने मुठभेड़-बुलडोजर के जरिए सरकार पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। को जवाबी कार्रवाई में गोली चलानी पड़े। उन्होंने उदाहरण

सांसद ने कहा कि अधिकारियों ने आंखों पर पट्टी बांधकर एक तय निशाने के साथ यह ने कसेरूवा गांव में मस्जिद को शहीद कर दिया। यह कहना है सपा के सांसद प्लेटफार्म एक्स पर यह प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े कर पर पट्टी बांधकर एक तय निशाने के साथ यह कार्रवाई की है। लोगों की फरियाद और लोगों का भरोसा कमजोर पड़ने लगा है। भारत का संविधान किसी को कानून से ऊपर और मातम का माहौल है। मां-बहनों की आंखें नम हैं और बच्चे सहमे हुए हैं। सांसद ने होती रहेगी। सपा सांसद बर्क ने असद मुठभेड़ को बताया फर्जी, दोहरे मापदंड का बर्क ने असद की मुठभेड़ को फर्जी बताया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में हुए कई मुठभेड़ों पर सजा दिए जाने का विरोध किया है। एक कार्यक्रम में उन्होंने पुलिस-प्रशासन और सांसद बर्क ने कहा कि असली मुठभेड़ तब होती है जब आरोपी गोली चलाए। पुलिस दिया कि मुस्लिम व्यक्ति द्वारा हिंदू की हत्या पर मुठभेड़ होती है। वहीं, हिंदू व्यक्ति द्वारा हिंदू की हत्या पर केवल गिरफ्तारी होती है। बर्क ने सवाल किया कि कानून सबके लिए बराबर होने पर यह कैसा संदेश है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सजा देने का काम न्यायालय का है। पुलिस प्रशासन का यह काम नहीं है। सांसद ने गलत करने वाले अधिकारियों को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि वह असद के कृत्य का बचाव नहीं कर रहे हैं। कानून, संविधान और उनका मजहब हत्या की इजाजत नहीं देता है। लेकिन कानून पर सरकार दोहरा मापदंड अपना रही है। इसका विरोध कर रहे हैं।

PAC मुरादाबाद में मोबाइल पर टोकाटाकी बनी बवाल: हेड कॉन्स्टेबल और सिपाही में मारपीट, बंदूक तानी

मुरादाबाद की 24वीं वाहिनी पीएसी में मोबाइल के इस्तेमाल को लेकर हेड कॉन्स्टेबल और कॉन्स्टेबल के बीच मारपीट हो गई। ड्यूटी के दौरान मोबाइल उपयोग पर टोकाटाकी से शुरू हुआ विवाद हाथापाई में बदल गया, जिसके बाद दोनों का मेडिकल परीक्षण कराया गया और जांच के आदेश दिए गए हैं। 24वीं वाहिनी पीएसी में शनिवार दोपहर मोबाइल के इस्तेमाल को लेकर हेड कॉन्स्टेबल और कॉन्स्टेबल के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच मारपीट हो गई। घटना के बाद पीएसी परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों तक पहुंचने पर दोनों कर्मियों का मेडिकल परीक्षण कराया गया।

जानकारी के अनुसार, कॉन्स्टेबल अमित राठी की गेट पर पहरा ड्यूटी लगी हुई थी। आरोप है कि ड्यूटी के दौरान वह मोबाइल फोन लेकर पोस्ट छोड़कर दूसरे स्थान पर बैठ गए थे। इसी दौरान हेड कॉन्स्टेबल शिवराज ने उन्हें ड्यूटी के प्रति लापरवाही बरतने और मोबाइल इस्तेमाल करने पर टोका। इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते गाली-गलौज में बदल गई।गेट ड्यूटी के दौरान मोबाइल इस्तेमाल और पहरे की ड्यूटी के दौरान बैठने को लेकर हुआ विवाद- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों में हाथापाई शुरू हो गई। हेड कॉन्स्टेबल शिवराज का आरोप है कि कॉन्स्टेबल अमित राठी ने उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। वहीं विवाद के दौरान लाइसेंसी रायफल तानने का भी आरोप लगाया गया है। हालांकि इस संबंध में अधिकारियों द्वारा जांच की जा रही है।दोनों पक्षों का कराया गया मेडिकल परीक्षण- घटना करीब दोपहर 12:45 बजे की बताई जा रही है। मारपीट में दोनों कर्मियों को चोटें आई हैं। मामला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के संज्ञान में पहुंचने के बाद दोनों का मेडिकल परीक्षण कराया गया और पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट तलब की गई है। पीएसी अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। नुशासनहीनता और ड्यूटी के दौरान हुए विवाद को गंभीरता से लिया गया है।

दिल्ली में योगा कोर्स करने गई महिला से हैवानियत, मायके पहुंचा रंगदारी मांगने वाला आरोपी तो खुला घिनौना राज

दिल्ली में योगा कोर्स करने गई मुरादाबाद की महिला से सामूहिक दुष्कर्म हुआ और अश्लील वीडियो बनाकर 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई। पुलिस ने महिला के पति, ससुर समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।दिल्ली में फिजिकल ट्रेनर और योगा का कोर्स करने गई कटघर की महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इस दौरान आरोपितों ने अश्लील वीडियो भी बना ली। वीडियो प्रसारित करने की धमकी देकर महिला और उसके पिता से 20 लाख रुपये की मांग की गई। महिला के पिता का आरोप है कि बेटी के पति और ससुर ने साजिश के तहत दिल्ली भेजा था। पुलिस ने शिकायती पत्र के आधार पर आरोपित पति, सास, ससुर और दिल्ली के दो युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।कटघर पुलिस को महिला के पिता ने दिए शिकायती पत्र में बताया कि 14 अगस्त 2013 में उसकी बेटी की शादी उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के जसपुर क्षेत्र निवासी युवक के साथ हुई थी। करीब दो साल पहले उसकी बेटी के पति ने जसपुर में जिम खोला था। जिसे खोलने के लिए 25 लाख रुपये उससे लिए थे।दिसंबर 2025 को उसकी बेटी को पति और सास ससुर ने फिजिकल ट्रेनर और योगा का कोर्स करने के लिए दिल्ली भेज दिया था। दिल्ली के रोहिणी स्थित योगा स्कूल में उसकी मुलाकात दिल्ली के नजफगढ़ निवासी भविष्य से हो गई थी। फरवरी 2026 को आरोपित भविष्य महिला को अपनी बुआ अनीता पनवर के घर नजफगढ़ ले गया। वहां अनीता पनवर और सरला देवी ने उसे कोल्ड ड्रिंक पिलाई। कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद वह बेहोश हो गई। इसके बाद आरोपित भविष्य और उसके बुआ के बेटे मुकुल ने सामूहिक दुष्कर्म किया और वीडियो बना ली। जब वह होश में आई तो आरोपितों ने उससे 20 लाख रुपये की मांग की। मांग पूरी न होने पर अश्लील वीडियो प्रसारित करने की धमकी दी। इस घटना से घबराई युवती अपने पिता के घर आ गई और उसने नशे की गोलियां खाकर खुदकुशी की कोशिश की। पूछताछ करने पर महिला ने स्वजन को आपबीती सुनाई। एक जून 2026 को आरोपित भविष्य मुरादाबाद में रंगदारी की रकम लेने के लिए पहुंच गया। उसने वीडियो काल की थी तब पता चला कि कार में आरोपित भविष्य के साथ उसकी बेटी का पति भी मौजूद था। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि पुलिस ने शिकायती पत्र के आधार पर आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

सूरज की तपिश से लोग हो रहे बेहाल, अगले सप्ताह चालीस पार पहुंचेगा पारा

पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर पड़ते ही बढ़ने लगी सूरज की तपिश बारिश के आसार न होने से सूरज की तपिश बढ़ती जा रही है। गर्मी से लोग बेहाल रहे। देर शाम तक तपिश बरकरार रही। जिससे लोगों में बेचैनी बनी रही। पंखा, कूलर बेअसर रहा। अगले सप्ताह पारा चालीस के पार हो जाएगा। जिससे लू के थपेड़े फिर झुलसाएंगे। बारिश के आसार न होने से सूरज की तपिश बढ़ती जा रही है। गर्मी से लोग बेहाल रहे। देर शाम तक तपिश बरकरार रही। जिससे लोगों में बेचैनी बनी रही। पंखा, कूलर बेअसर रहा। अगले सप्ताह पारा चालीस के पार हो जाएगा। जिससे लू के थपेड़े फिर झुलसाएंगे। अधिकतम तापमान चढ़ा- शनिवार को तेज धूप से लोग गर्मी से परेशान रहे। सूरज की तपिश से दोपहर में सड़कों पर सूनापन रहा। तापमान बढ़ने से देर शाम तक सूरज की तपिश बनी रही। राहत के लिए लोग छांव की तलाश करते रहे। दिन में शिकंजी, नारियल पानी, कोल्ड ड्रिंक्स आदि का सेवन कर खुद को लोगों ने तरोताजा किया। अधिकतम तापमान बढ़कर 37.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी- जबकि न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस रहा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भीषण गर्मी और संभावित लू को देखते हुए यलो अलर्ट जारी है। अगले कुछ दिनों में तापमान बढ़ने से गर्मी और अधिक होने का अनुमाान जताया गया है। अगले सप्ताह अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक होने पर एक बार फिर लू के थपेड़े झुलसाएंगे। पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर- पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर पड़ने से मानसून और देर से सक्रिय होने की बात कही जा रही है। इसको देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने तहसीलों से भी मौसम को देखते हुए एहतियाती उपाय सुनिश्चित करने की सलाह दी है। मानसून 22-27 जून के बीच मुरादाबाद सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में सक्रिय होने का अनुमान जताया गया है। 11 जून तक का अनुमानित तापमान-

तारीख अधिकतम तापमान न्यूनतम तापमान सात जून 37 डिग्री सेल्सियस 26 डिग्री सेल्सियस आठ जून 38 डिग्री सेल्सियस 26 डिग्री सेल्सियस नौ जून 39 डिग्री सेल्सियस 27 डिग्री सेल्सियस 10 जून 41 डिग्री सेल्सियस 27 डिग्री सेल्सियस 11 जून 40 डिग्री सेल्सियस 26 डिग्री सेल्सियस

राष्ट्रीय एकता चौक पर ऊंचा किया जाएगा सरदार पटेल के स्टेच्यू का फांउडेशन

पीली कोठी चौराहे से हटा दी गई सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा- शहर की हृदयस्थली सिविल लाइंस में पीलीकोठी चौराहा (अब राष्ट्रीय एकता चौक) पर स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल के स्टेच्यू के फांउडेशन का प्लेटफार्म ऊंचा किया जाएगा। चौराहे पर से सरदार पटेल का स्टेच्यू हटने को लेकर लोगों में कौतूहल रहा। हर आने जाने वाले की नजर उस पर पड़ती रही। जिससे लोगों में जिज्ञासा जगी।शहर की हृदयस्थली सिविल लाइंस में पीलीकोठी चौराहा (अब राष्ट्रीय एकता चौक) पर स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल के स्टेच्यू के फांउडेशन का प्लेटफार्म ऊंचा किया जाएगा। चौराहे पर से सरदार पटेल का स्टेच्यू हटने को लेकर लोगों में कौतूहल रहा। हर आने जाने वाले की नजर उस पर पड़ती रही। जिससे लोगों में जिज्ञासा जगी। बीते साल बदला गया था नाम- पिछले साल सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर पीलीकोठी चौराहे का नाम बदलकर राष्ट्रीय एकता चौक नगर निगम के द्वारा कर दिया गया था। यहां सरदार वल्लभ भाई पटेल की विशालकाय स्टेच्यू (प्रतिमा) लगाई गई थी। जिसका अनावरण मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह और महापौर विनोद अग्रवाल ने नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल आदि के साथ किया था। इस चौराहे का नाम बदलकर राष्ट्रीय एकता चौक कर दिया गया था। पटेल प्रतिमा हटने से चर्चा तेज- अचानक चौराहे से सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा हटी तो लोग हैरत में पड़ गए। लोगों में यह उत्सुकता रही कि अचानक क्या हो गया। अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार सिंह ने बताया कि चौराहे पर लगी सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा का फाउंडेशन नगर निगम की ओर से ऊंचा कराया जा रहा है। इसके लिए मूर्ति हटवाई गई है जिसे बहुत जल्द फिर से लगा दिया जाएगा। फांउडेशन के प्लेटफार्म को ऊंचा करने का कार्य चल रहा है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

नवीन एसडीओपी कार्यालय भवन का लोकार्पण, पुलिस व्यवस्था होगी और सुदृढ़

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी/करैरा। करैरा में नवीन एसडीओपी कार्यालय भवन का लोकार्पण रविवार को गरिमामय समारोह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक अरविंद कुमार सक्सेना रहे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मूले, एसडीओपी डॉ. आयुष जाखड़, एसडीएम अनुराग निंगवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।अतिथियों ने फीता काटकर नवीन भवन का लोकार्पण किया तथा पुलिस थाना परिसर स्थित सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। अधिकारियों ने कहा कि नए कार्यालय भवन के शुरू होने से पुलिस कार्यों के संचालन में सुगमता आएगी और आम नागरिकों को अधिक पारदर्शी एवं त्वरित सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

उन्होंने बताया कि आधुनिक सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी तथा अपराधों की निगरानी और नियंत्रण में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने नवीन भवन के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र की सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

विश्व साइकिलिंग दिवस पर निकली 'संडे ऑन साइकिल' रैली, 200 से अधिक लोगों ने लिया हिस्सा

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। विश्व साइकिलिंग दिवस के अवसर पर फिट इंडिया अभियान के तहत रविवार को जिला मुख्यालय पर संडे ऑन साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली में 200 से अधिक साइकिलिस्टों, युवाओं और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। र्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव रहीं। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि हरिओम राठौर, विजय शर्मा, हरवीर रघुवंशी और लवलेश जैन सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। वहीं जिला प्रशासन की ओर से जिला पंचायत सीईओ विजय राज, अतिरिक्त सीईओ ब्रह्मेंद्र गुप्ता, जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी डॉ. के.के. खरे तथा जिला क्रीड़ा अधिकारी चंद्रशेखर बेमते सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए।

साइकिल रैली का शुभारंभ तात्या टोपे स्मारक से किया गया। रैली कलेक्ट्रेट, कोर्ट रोड, माधव चौक और गुरुद्वारा चौक से होते हुए पुनः तात्या टोपे स्मारक पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने नियमित व्यायाम, साइकिलिंग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में शिवपुरी पेडलर ग्रुप के अध्यक्ष प्रवीण गोयल, एडवोकेट विष्णु गोयल, अजय बाथम, शिशुपाल सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों एवं नागरिकों ने भाग लिया। स्कूली छात्र-छात्राओं की भी उल्लेखनीय सहभागिता रही।

आयोजकों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम लोगों को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। साथ ही साइकिलिंग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दिया जा सकता है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मंडल में बाढ़ से निपटने को बड़ी तैयारी , 29 बड़ी परियोजनाओं को पूरा करने को पसीना बहा रहे विभाग

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मौसम विभाग ने अबकी बार अच्छी मानसूनी कृपा बरसने की भविष्यवाणी की है तो इससे बरेली मंडल में बाढ़ की चिंताएं भी बढ़ गई हैं। बरेली में रामगंगा, बहगुल, पीलीभीत में शारदा-देवहा, बदायूं में गंगा और शाहजहांपुर में गंगा-गर्रा जैसी नदियों का इतिहास सबको फिर टेंशन में डाल रहा है। बाढ़ की आंशका के चलते मंडल प्रशासन ने अभी से जरूरी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

15 जून तक काम पूरा करने की हिदायत- बाढ़ खंड 139 करोड़ के बजट से 29 परियोजनाएं पूरी करने में जुटा है। तटबंधों की तेजी से मरम्मत और कटान रोकने के लिए जरूरी जतन किए जा रहे हैं। अफसरों को 15 जून तक सभी काम पूरा करने की हिदायत दी गई है। मंडलायुक्त भूपेन्द्र एस. चौधरी ने सभी डीएम और सिंचाई अफसरों को समय रहते बाढ़ से बचाव के इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं।

पीलीभीत और बदायूं अतिसंवेदनशील- अफसरों के अनुसार, अतीत के बाढ़ मंजर ध्यान में रखकर मंडल प्रशासन ने पीलीभीत और बदायूं जिलों को अतिसंवेदनशील घोषित किया है, जबकि बरेली और शाहजहांपुर सूची में रखा गया है। पूरे मंडल में कुल 12 बड़े तटबंध हैं। 160.885 किलोमीटर लंबे तटबंधों के दायरे में आने वाले 69 स्थानों को विशेष निगरानी के दायरे में लिया गया है। इनमें 17 स्थल अत्यधिक संवेदनशील और 52 संवेदनशील माने गए हैं। भारी बारिश के दौरान तटीय गांवों में बाढ़ का पानी रोकने को ऐसे सभी खतरनाक पॉइंट पर बोल्डर पिचिंग, स्पर मरम्मत और जियो बैग लगाने का काम युद्धस्तर पर जारी है। मंडल में सबसे बड़ा सुरक्षा कवच पीलीभीत जिले में तैयार हो रहा है, जहां 44.50 करोड़ की लागत से रिकॉर्ड 11 बाढ़ परियोजनाएं चल रही हैं। इसके अलावा, बदायूं में 43 करोड़ की पांच परियोजनाएं, बरेली में 29 करोड़ की सात और शाहजहांपुर में 22.5 करोड़ की छह परियोजनाओं पर काम अंतिम चरण में है।

तात्या टोपे स्टेडियम में रोमांचक मुकाबले, फाइनल में भिड़ेंगी श्री हरि होटल और अर्पित X11

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। प्रतियोगिता का संचालन खेल विभाग के कोऑर्डिनेटर कमल सिंह बाथम एवं शिवपुरी क्रिकेट एकेडमी के अध्यक्ष गिरीश मिश्रा %मामा% के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। पहले सेमीफाइनल में श्री हरि होटल ने एसएस फाइबर को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। एसएस फाइबर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 76 रन बनाए। टीम की ओर से ध्रुव गोयल ने 12 गेंदों पर 25 रन और रुद्र ने 18 रन का योगदान दिया। श्री हरि होटल की ओर से देव सेन ने तीन विकेट, सौरभ ने एक विकेट तथा अभिषेक धाकड़ ने एक विकेट हासिल किया।

76 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्री हरि होटल ने मात्र 3.6 ओवर में जीत दर्ज कर ली। टीम की जीत के नायक अभिषेक धाकड़ रहे, जिन्होंने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 72 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने एक विकेट लेने और एक रन आउट करने में भी योगदान दिया। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे सेमीफाइनल में अर्पित X11 ने राम ङ्ग11 को पराजित कर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार वरिष्ठ खिलाड़ी प्रवीण मेहता, रोनक परिहार एवं रवि दीक्षित ने प्रदान किया। इस अवसर पर जीतू ठाकुर, वासुदेव राठौर, दीपक सोनी, ललित सेन सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

दुबई कनेक्शन वाला हवाला रैकेट बेनकाब: पुलिस की बड़ी कार्रवाई , 35 लाख कैश बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना बारादरी पुलिस ने हवाला कारोबार के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 35 लाख रुपये नकद, चार मोबाइल फोन तथा दो फर्जी आधार कार्ड बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में इस पूरे नेटवर्क के तार दुबई से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर माधोबाड़ी क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान जमीर अहमद निवासी हजियापुर चुंगी तथा जगदीश चोटिया निवासी बीकानेर, राजस्थान को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में जमीर अहमद ने बताया कि उसका संपर्क दुबई में रहने वाले अली जीशान से था। आरोप है कि अली जीशान के निर्देश पर मोईन अली के नाम से केजीएन (KGN) नामक फर्जी कंपनी बनाई गई थी, जिसका कार्यालय पीलीभीत बाईपास स्थित आशुतोष सिटी में संचालित किया जा रहा था। जांच में सामने आया कि कंपनी के नाम पर कोई वास्तविक व्यापारिक गतिविधि नहीं होती थी। पुलिस के अनुसार व्हाट्सएप के जरिए टोकन नंबर भेजकर विभिन्न खातों में बड़ी रकम जमा कराई जाती थी। इसके बाद यह धन हवाला नेटवर्क के माध्यम से दिल्ली में बैठे संपर्कों तक पहुंचाया जाता था। गिरफ्तार आरोपी जगदीश चोटिया ने खुलासा किया कि वह पिछले चार वर्षों से हवाला कारोबार में सक्रिय था। उसका काम टैक्स बचाने और बेनामी धन के लेनदेन में सहायता करना था। वह कमीशन के बदले टोकन धारकों तक रकम पहुंचाता था तथा लेनदेन करने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती थी। पुलिस ने मामले में मोईन अली, लालचंद और धम्माराम को वांछित घोषित किया है। तीनों आरोपी फिलहाल फरार हैं। थाना बारादरी में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है तथा गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

अस्पताल मालिक ने नर्स से किया दुष्कर्म, रिवॉल्वर दिखाकर धमकाया, रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बीडी जनता अस्पताल के मालिक चंद्र प्रताप पर नर्स से दुष्कर्म और लगातार यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। शाहजहांपुर निवासी युवती ने थाना प्रभारी सुरेश चंद्र गौतम को बताया कि उसने 12 जनवरी को बीडी जनता अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ के तौर पर नौकरी शुरू की थी। कुछ दिनों बाद ही अस्पताल का मालिक चंद्र प्रताप उससे फोन पर अश्लील बातें करने लगा। अस्पताल जाने पर वह नर्स को छेड़ता था। मना करने पर चंद्र प्रताप ने धमकी दी कि अगर बात नहीं मानी तो बरेली में नहीं रह सकेगी। आरोप है कि अप्रैल में चंद्र प्रताप वेतन देने के बहाने उसे अपनी कार में ले गया। वेतन मांगने पर उसने रिवॉल्वर दिखाकर धमकाया, फिर एक होटल ले जाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद वह युवती को रास्ते पर छोड़कर भाग गया। डर के कारण युवती ने किसी को कुछ नहीं बताया, लेकिन आरोपी लगातार जान से मारने की धमकी देता रहा। युवती ने बताया कि चार जून को वह रुहेलखंड विश्वविद्यालय गई थी, वहां चंद्र प्रताप उनके पीछे आ गया। पांच जून को चंद्र प्रताप ने शहीद भगत सिंह अस्पताल के पास उसका हाथ पकड़ा और कार में बैठने के लिए कहा। उसके चिल्लाने पर वह वहां से भाग गया। कुछ देर बाद आरोपी उनके कमरे पर आया और दरवाजा खटखटाया। युवती ने दरवाजा नहीं खोला और तुरंत 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस को देखकर आरोपी मौके से भाग गया। सीओ शिवम आशुतोष ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

28 जून से बजेगा पोलियो पर प्रहार का बिगुल, हर बच्चे तक पहुंचेगी जिंदगी की दो बूंद

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद में 28 जून से शुरू होने वाले पल्स पोलियो अभियान 2026 को सफल बनाने के लिए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सभी विभागों को जिम्मेदारियां सौंप दी हैं। अभियान 6 जुलाई तक चलेगा और इसका लक्ष्य 5 वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाना है। जिलाधिकारी ने नगर निगम को एलईडी स्क्रीन, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और डोर-टू-डोर प्रचार के माध्यम से जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए हैं। वहीं तहसील टास्क फोर्स समितियां अभियान की निगरानी करेंगी और पोलियो दवा से इंकार करने वाले परिवारों को जागरूक कर बच्चों को दवा पिलाना सुनिश्चित करेंगी।

28 जून को बूथ दिवस पर सभी संबंधित विद्यालय खुले रहेंगे, रैलियां निकाली जाएंगी और बुलावा टोली के जरिए बच्चों को बूथों तक लाया जाएगा। आंगनबाड़ी, आशा कार्यकर्ता और स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर अभियान को सफल बनाएंगी।

इसके अलावा आईएमए द्वारा शहरी क्षेत्र में 50 तथा प्रत्येक ब्लॉक में 10-10 पोलियो बूथ गोद लेकर जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

जिलाधिकारी ने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य कर अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के निर्देश दिए हैं, ताकि जनपद पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को और मजबूत कर सके।

निकाह से पहले दुल्हन किसी और के साथ हुई फुर्र

छोटी बहन से शादी हुई तय तो ,निकाह में चले लाठी-डंडे9 एक की हालत नाजुक

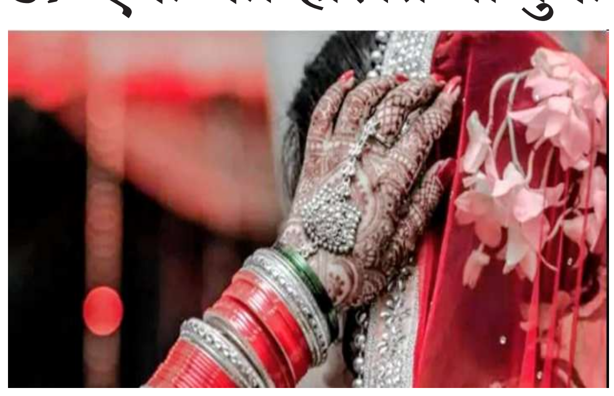

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बिथरी चैनपुर के एक बारातघर में बीती रात को ऐसा हाईवोल्टेज ड्रामा हुआ कि खुशियों का माहौल देखते ही देखते रणक्षेत्र में बदल गया। निकाह से पहले दुल्हन प्रेमी संग फरार हो गई। इसके बाद दोनों परिवारों ने इज्जत बचाने के लिए छोटी बहन से निकाह कराने की सहमति बना ली, लेकिन ऐन मौके पर उसका भी प्रेम प्रसंग सामने आ गया। यह सुनते ही दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चलने से तीन लोग घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बिथरी चैनपुर क्षेत्र के एक गांव की युवती का रिश्ता पास के गांव के युवक से तय हुआ था। शनिवार को नरियावल के बारातघर में निकाह की तैयारियां चल रही थीं। इसी बीच शुक्रवार रात दुल्हन सारे जेवर लेकर प्रेमी के संग फरार हो गई। इस घटना से हड़कंप मच गया और बात दूल्हा पक्ष तक पहुंची। दोनों पक्षों में घंटों पंचायत चली। रिश्तेदारों और गांव के लोगों ने मामला संभालने की कोशिश की। काफी मान-मनौव्वल के बाद दुल्हन की छोटी बहन से निकाह की बात तय हुई।

बताया जाता है कि शनिवार को तय समय पर बारात नरियावल स्थित बारातघर में पहुंच गई। निकाह की रस्म शुरू होने से पहले किसी ने दूल्हा पक्ष को बता दिया कि छोटी बहन का भी एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा है और वह भी शादी नहीं करना चाहती। यह बात सामने आते ही माहौल गरमा गया। दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हुई और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई।

दोनों पक्षों में लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले गए। इस दौरान शादी में शामिल होने पहुंची दुल्हन की चचेरी बहन, उसका देवर और एक अन्य मारपीट में घायल हो गए। इनमें से एक व्यक्ति की हालत गंभीर है, उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। हंगामे और मारपीट के बाद शादी रद्द हो गई और बारात बिना दुल्हन के वापस लौट गई।

पति को प्रेमिका संग देख बोनट पर बैठी पत्नी , पति ने दौड़ाई कार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। भमोरा क्षेत्र में बीती देर शाम देवचरा चौराहे पर अपने बच्चे के साथ खड़ी महिला ने पति को कार में प्रेमिका के साथ जाते देख लिया। इस दौरान वह कार रुकवाने के लिए शोर मचाते हुए कार के पीछे दौड़ी। फूलमंडी के पास स्पीड ब्रेकर पर कार धीमी होते ही वो बोनट पर चढ़ गई। यह देखकर पति ने कार दौड़ा दी। राहगीरों ने बाइक से पीछा कर 200 मीटर आगे कार रुकवाई और उसके पति को जमकर पीटा। पुलिस को पहुंचने से पहले चालक कार सहित भाग गया। बरेली की महिला अपने बच्चे को लेकर देवचरा चौराहे पर खड़ी थी। शाम सात बजे उसका पति अपनी प्रेमिका को कार में बैठाए वहां से गुजरा। यह नजारा देख कुछ लोगों ने बाइक से पीछा कर देवचरा-बल्लिया रोड पर कार रुकवाकर महिला के पति को कार से बाहर निकाल और जमकर पिटाई की। इस दौरान पति अपनी प्रेमिका सहित वहां से भागकर जान बचाई। बल्लिया चौकी इंचार्ज शैलेंद्र तोमर को बताया कि कार की तलाश की लेकिन चालक फरार हो गया। ये घटना अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

राम नाम की महिमा से प्रभु भी होते हैं वश में

श्री हरि मंदिर की रामकथा में गूंजा हनुमान भक्ति का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मॉडल टाउन स्थित श्री हरि मंदिर में पुरुषोत्तम मास के अवसर पर चल रही सप्तदिवसीय श्रीराम कथा के षष्ठम दिवस पर कथा व्यास पंडित बृजेश पाठक ने राम नाम की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि हनुमान जी राम नाम के सर्वोच्च उपासक हैं। उन्होंने कहा कि हनुमान जी ने समुद्र पार करने से लेकर अपने सभी कार्य प्रभु श्रीराम के नाम के बल पर ही संपन्न किए और कभी स्वयं को उसका श्रेय नहीं दिया। कथा व्यास ने कहा कि राम नाम में इतनी शक्ति है कि उसके प्रभाव से हनुमान जी ने स्वयं प्रभु राम को भी अपने प्रेम और भक्ति से वश में कर लिया। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भाव-विभोर होकर रामकथा का रसपान किया। ट्रस्ट के महामंत्री रवि छाबड़ा ने बताया कि सप्तदिवसीय श्रीराम कथा का समापन 8 जून को होगा। कथा प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से 9-15 बजे तक आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर सुशील अरोड़ा, अश्विनी ओबेरॉय, संजय आनंद, गोविंद तनेजा सहित मंदिर प्रबंध समिति के पदाधिकारियों ने कथा व्यास का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

मीरगंज पुलिस ने छज्जे के विवाद में हुई हत्या का किया खुलासा, हत्या के मामले में फरार चल रहे दो सगे भाई गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना मीरगंज क्षेत्र के ग्राम जाम में छज्जा निकालने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की हत्या के मामले में मीरगंज पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 25 मई 2026 को छज्जा निकालने को लेकर दो पक्षों में विवाद और मारपीट हुई थी। इस दौरान लक्ष्मण स्वरूप गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनकी बाद में मृत्यु हो गई। घटना के संबंध में थाना मीरगंज में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शनिवार को ग्राम जाम से फरार चल रहे दो सगे भाइयों हरजीत (20 वर्ष) और प्रेमरतन उर्फ रामरतन (19 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि छज्जा डालने को लेकर पड़ोसी पक्ष से विवाद हुआ था, जिसके बाद मारपीट हो गई। घटना के बाद लक्ष्मण स्वरूप की मौत की जानकारी मिलने पर दोनों पुलिस से बचने के लिए लगातार छिपते फिर रहे थे। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार, उपनिरीक्षक ब्रज किशोर, कांस्टेबल नितिन नागर, मनीष चौधरी एवं शिवसागर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

मजदूरी को लेकर हुआ विवाद, महिला की मौत, ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बिथरी चैनपुर इलाके में मजदूरी के 4500 रुपये को लेकर हुए विवाद में राधा नाम की महिला की मौत हो गई। आरोप है कि महिला पर धारदार हथियार से हमला किया गया, फिर ट्रैक्टर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी गई। यह घटना शनिवार रात खजुरिया ब्रह्मनान गांव में हुई है। राधा के पति विमल ने गांव के ही दो सगे भाइयों पर हत्या का आरोप लगाते हुए बिथरी चैनपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। विमल ने बताया कि उसका भाई संजीव गांव फरीदापुर इनायत खां निवासी अर्जुन के ट्रैक्टर पर मजदूरी करता था। ट्रैक्टर उसके घर के पास ही खड़ा होता था। अर्जुन पर आरोपी के 4500 रुपये बकाया थे। बीच-बचाव करने गई थी राधा शनिवार रात दोनों आरोपी भाई विमल के घर पहुंचे और बकाया रकम मांगने लगे। इस दौरान कहासुनी हुई। आरोप है कि दोनों भाई लाठी और धारदार हथियार लेकर लौटे और हमला कर दिया। राधा ने बीच-बचाव का प्रयास किया। धारदार हथियार से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोपियों ने उसे ट्रैक्टर से कुचल दिया।

भोजीपुरा पुलिस ने अवैध तमंचे कारतूस सहित शातिर अपराधी को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए भोजीपुरा पुलिस ने एक शातिर अभियुक्त को अवैध तमंचे और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार 6 जून की रात भुजिया नहर पुलिया के पास संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान साजिद उर्फ पप्पी निवासी जज्झा लाडपुर, थाना भोजीपुरा को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध हथियार बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी रहा है और उसके विरुद्ध पूर्व में चोरी, लूट व मारपीट समेत कई मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपनी सुरक्षा के लिए तमंचा रखता था। इस कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक कुंवर बहादुर सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार, कांस्टेबल अंकित कुमार एवं कांस्टेबल सुमित कुमार की टीम ने अंजाम दिया।

बी.एम.बी.एल. जैन सेवा न्यास की ऑनलाइन पर्यावरण प्रश्नोत्तरी में 9,987 प्रतिभागियों ने लिया भाग

क्यूँ न लिखूँ सच/ नाजिम हुसैन / मुरादाबाद। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में बाबू मुकुट बिहारी लाल (बी.एम.बी.एल.) जैन सेवा न्यास द्वारा आयोजित ऑनलाइन पर्यावरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से कुल 9,987 प्रतिभागियों ने सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जागरूकता और प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

न्यास द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, जीव दया एवं वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी श्रृंखला में ऑनलाइन पर्यावरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें उत्साह पूर्वक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

न्यास अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार जैन ने कहा कि बी.एम.बी.एल. जैन सेवा न्यास सेवा, संस्कार एवं जन-जागरूकता के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह प्रकृति के संरक्षण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि अनियंत्रित वृक्ष कटान और बढ़ता प्रदूषण वैश्विक तापमान वृद्धि के प्रमुख कारण हैं, जिनका प्रभाव समूची मानवता पर पड़ रहा है। इन चुनौतियों का समाधान अधिकाधिक वृक्षारोपण और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील जीवनशैली अपनाने में निहित है।

उन्होंने सभी नागरिकों से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाने एवं उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। साथ ही बताया कि न्यास द्वारा आगामी जुलाई माह में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को और गति मिलेगी।

न्यास सचिव नमन जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश सहित अनेक राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणाम निर्णायक मंडल द्वारा परीक्षण उपरांत 21 जून तक घोषित किए जाने की संभावना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

ऑनलाइन प्रतियोगिता का तकनीकी संचालन संभव जैन एवं अमन जैन एडवोकेट द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अलका जैन, प्रिया जैन, राशि जैन, अक्षय राठौर, अमित कुमार, अंकित कुमार सहित अनेक कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। न्यास ने सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प दोहराया।

भीषण गर्मी में जल संरक्षण की मिसाल बन रहे मल्हानपुरा में बनाए गए जल-तारा हरवा-नरवा

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन)। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण, जल सहेलियों का बढ़ाया उत्साह; जनपद में 1 हजार जल तारा निर्माण का लक्ष्य, 150 पूर्ण जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन की दिशा में जनपद में एक अभिनव जनभागीदारी मॉडल विकसित हो रहा है। विकासखंड रमपुरा के ग्राम मल्हानपुरा में भीषण गर्मी के बीच चार जल तारा संरचनाओं का निर्माण कर वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण की दिशा में सराहनीय पहल की गई है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने ग्राम पहुंचकर जल तारा संरचनाओं का अवलोकन किया तथा जल सहेलियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धनकिया। जिलाधिकारी ने कहा कि जल तारा केवल एक संरचना नहीं, बल्कि जल संकट से निपटने का प्रभावी और टिकाऊ समाधान है। इसके माध्यम से वर्षा के जल को संरक्षित कर भूगर्भ में पहुंचाया जाता है, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि होती है तथा जलभराव और मृदा अपरदन जैसी समस्याओं में भी कमी आती है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने के लिए महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है और जल सहेलियां इस दिशा में प्रेरणादायक कार्य कर रही हैं। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। जल सहेलियों द्वारा किए जा रहे प्रयास न केवल गांवों को जल सुरक्षित बनाएंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अमूल्य धरोहर सिद्ध होंगे।परमार्थ संस्था के सहयोग से वी0 बी0 जी0 राम जी योजना के तहत जनपद में कुल 01 हजार जल तारा संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिनमें से अब तक 150 जल तारा तैयार किए जा चुके हैं। इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल का संरक्षण कर उसे धरती में समाहित किया जा रहा है, जिससे भूजल भंडार का पुनर्भरण सुनिश्चित हो सके। इस दौरान जल सहेलियों ने जल तारा की कार्यप्रणाली, रख-रखाव एवं उसके लाभों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि नियमित सफाई, सिल्ट हटाने, फिल्टर परतों की जांच तथा जल प्रवाह की निगरानी के माध्यम से इन संरचनाओं को दीर्घकाल तक प्रभावी बनाए रखा जा सकता है जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से भी जल संरक्षण के इस अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि जल है तो कल है की भावना के साथ प्रत्येक नागरिक को वर्षा जल संचयन एवं जल संरक्षण के प्रयासों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। जनपद में जल तारा जैसी संरचनाएं भविष्य की जल सुरक्षा की मजबूत आधारशिला सिद्ध होंगी।अवसर पर ब्लाक प्रमुख रमपुरा अजीत सिंह सेंगर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एच एन प्रसाद, उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य, डीसी मनरेगा रामेन्द्र सिंह, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, डीडीओ प्रशांत पाण्डेय, परमार्थ संस्था से संजय कुमार और वरुण सिंह, सहित बड़ी सख्यां में जल सहेली मौजूद रही।

मुख्यमंत्री योगी से बेटियों की गुहार: हमारा भविष्य बचा लीजिए, 90 साल पुराना स्कूल उजड़ा तो रो पड़ीं बेटियां

राजधानी लखनऊ में अपना स्कूल उजड़ता देख छात्राओं ने मुख्यमंत्री योगी से अपील की है। उन्होंने कहा कि हमारा भविष्य यानी हमारा स्कूल बचा लीजिए। नहीं तो हम कहां पढ़ेंगे।राजधानी लखनऊ में हजरतगंज के नरही स्थित सरकार की ओर से संचालित सहायता प्राप्त विद्या मंदिर गर्ल्स हाईस्कूल को खाली कराने के विरोध में शनिवार को छात्राएं, उनके अभिभावक और शिक्षक धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से विद्यालय को बचाने की गुहार लगाई। उनका कहना था कि विद्यालय पर जबरदस्ती कब्जा किया गया है और अब उनके सामने पढ़ाई जारी रखने का संकट खड़ा हो गया है। धरने में शामिल अभिभावकों ने कहा कि उनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वे अपनी बेटियों को निजी स्कूलों में पढ़ा सकें। उनका कहना था कि दिनभर मेहनत-मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करने वाले लोगों के लिए यह विद्यालय ही सहारा है। यदि विद्यालय बंद हुआ तो गरीब परिवारों की बेटियां शिक्षा से वंचित हो जाएंगी। शनिवार को धरनास्थल पर छात्राओं के समर्थन में माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट, पांडेय गुट और एकजुट संघ के पदाधिकारी भी पहुंचे। शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि एक साजिश के तहत जिला प्रशासन की मिलीभगत से विद्यालय की जमीन पर कब्जा कराया गया है। उनका कहना था कि प्रदेश के कई एडेड कॉलेज पहले भी ऐसे प्रयासों का सामना कर चुके हैं। विद्यालय की प्रबंधक संतोष रस्तोगी ने कहा कि विद्यालय को बंद नहीं होने दिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर विद्यालय के गेट पर ही कक्षाएं संचालित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि विद्यालय वर्ष 1936 से संचालित है और यहां के शिक्षकों व कर्मचारियों को सरकार की ओर से वेतन दिया जाता है। वर्तमान में विद्यालय में 250 छात्राएं अध्ययनरत हैं। उल्लेखनीय है कि बीते बृहस्पतिवार को हजरतगंज पुलिस की मौजूदगी में एडीएम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए विद्यालय को खाली कराया गया था।मुख्यमंत्री से लेकर गृह सचिव तक गुहार- विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा, प्रमुख सचिव गृह विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी को शिकायती पत्र भेजकर हस्तक्षेप की मांग की है।

शिकायत में कहा गया है कि विद्यालय भवन से संबंधित विवाद पिछले चार वर्षों से न्यायालय में लंबित है। इस मामले में 21 अप्रैल 2026 को अपर जिलाधिकारी नगर पूर्वी की ओर से विद्यालय खाली कराने का आदेश दिया गया था। इसके खिलाफ जिला जज की अदालत में स्टे की अपील दायर की गई है, जिस पर दो जुलाई को सुनवाई प्रस्तावित है। प्रबंधन का आरोप है कि विद्यालय में गर्मियों की छुट्टियां होने के बावजूद चौकी प्रभारी शिवम पांडेय, कुछ अन्य पुलिस कर्मियों और 15 से 20 लोगों के साथ विद्यालय परिसर में पहुंचे और वहां रखा फर्नीचर, सरकारी अभिलेख, अलमारियां, पंखे और कूलर बाहर फेंक दिए।छात्राओं ने कहा- अब हम कहां पढ़ेंगे? मेरे पिता मजदूरी करते हैं। मैं कक्षा एक से इसी विद्यालय में पढ़ रही हूं। जिन सीटों पर हम पढ़ते थे, उन्हें मैदान में फेंका हुआ देखा। मुख्यमंत्री जी से अपील है कि विद्यालय खुलवाया जाए। -श्रेया कश्यप मेरा सपना पढ़-लिखकर कुछ बनने का है। मेरे पिता मुझे निजी स्कूल में पढ़ाने में सक्षम नहीं हैं। विद्यालय का सामान पुलिस की मौजूदगी में बाहर फेंका गया। विद्यालय दोबारा खुलवाया जाए। -जूही मुख्यमंत्री जी से हाथ जोड़कर निवेदन है कि मेरा विद्यालय बंद होने से बचाया जाए। गर्मियों की छुट्टियों के बाद हम कहां पढ़ने आएंगे, यह भी बताया जाए। -अलीशा सिद्दीकी आर्थिक तंगी के बीच मेरी पढ़ाई चल रही है। यदि विद्यालय बंद हो गया तो मेरी पढ़ाई का सहारा खत्म हो जाएगा। -तनीशा दीक्षित आज विद्यालय पहुंची तो दूसरे लोगों का ताला लगा हुआ था। कक्षा का सामान मैदान में फेंका हुआ देखकर बहुत दुख हुआ। अधिकारियों से अपील है कि विद्यालय फिर से खुलवाया जाए। -पक्षी

मोहरसोप में पीएम आवास पर चला वन विभाग का डंडा, सिर्फ तीन गरीब परिवारों को नोटिस, भेदभाव के आरोप से गरमाया मामला

बरसात से पहले बेघर होने का खतरा, ग्रामीण बोले- अगर अतिक्रमण है तो सभी पर हो कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ चांदनी-बिहारपुर/ प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकानों को लेकर सूरजपुर जिले के चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र के मोहरसोप बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। वन विभाग ने वन भूमि पर अतिक्रमण का हवाला देते हुए मोहरसोप बीट क्रमांक क्क-562 में निवासरत तीन ग्रामीणों को नोटिस जारी कर मात्र तीन दिन के भीतर मकान खाली करने का आदेश दिया है। निर्धारित समय में मकान खाली नहीं करने पर आवास तोड़ने की चेतावनी भी दी गई है।

वन विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। नोटिस प्राप्त करने वालों में गरीब लालजी साकेत, जगधारी शाहू और शीतला प्रसाद विश्वकर्मा शामिल हैं। प्रभावित परिवारों का कहना है कि शासन द्वारा उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया गया था और अब उसी मकान को तोड़ने की बात कही जा रही है, जिससे उनके सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है।

ग्रामीणों ने वन विभाग पर गंभीर भेदभाव का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मोहरसोप बीट क्रमांक क्क-562 में केवल तीन परिवार ही नहीं बल्कि अनेक लोगों के मकान और कब्जे मौजूद हैं। इसके बावजूद विभाग ने सिर्फ तीन गरीब परिवारों को नोटिस देकर कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि भूमि वन विभाग की है और अतिक्रमण हटाना है तो कार्रवाई सभी पर समान रूप से क्यों नहीं की जा रही है।

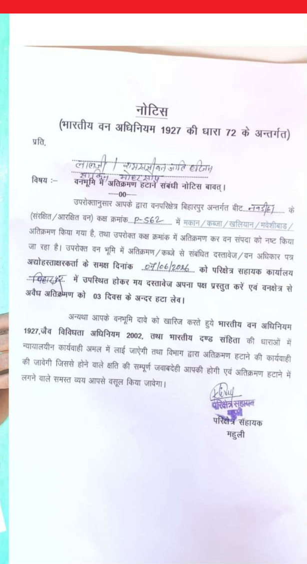
नोटिस
(भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 72 के अन्तर्गत)
प्रति,
[illegible]
विषय :- वनभूमि में अतिक्रमण हटाने संबंधी नोटिस बावत्।
---00---
उपरोक्तानुसार आपके द्वारा वनपरिक्षेत्र बिहारपुर अन्तर्गत बीट .... के (संरक्षित/आरक्षित वन) कक्ष क्रमांक P-562 में मकान/कब्जा/खलियान/मवेशीबाड़/ अतिक्रमण किया गया है, तथा उपरोक्त कक्ष क्रमांक में अतिक्रमण कर वन संपदा को नष्ट किया जा रहा है। उपरोक्त वन भूमि में अतिक्रमण/कब्जे से संबंधित दस्तावेज/वन अधिकार पत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दिनांक 07/06/2026 को परिक्षेत्र सहायक कार्यालय [illegible] में उपस्थित होकर मय दस्तावेज अपना पक्ष प्रस्तुत करें एवं वनक्षेत्र से अवैध अतिक्रमण को 03 दिवस के अन्दर हटा लेवे।
अन्यथा आपके वनभूमि दावे को खारिज करते हुये भारतीय वन अधिनियम 1927, जैव विविधता अधिनियम 2002, तथा भारतीय दण्ड संहिता की धाराओं में न्यायालयीन कार्यवाही अमल में लाई जाएगी तथा विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जावेगी जिससे होने वाले क्षति की सम्पूर्ण जवाबदेही आपकी होगी एवं अतिक्रमण हटाने में लगने वाले समस्त व्यय आपसे वसूल किया जावेगा।
परिक्षेत्र सहायक
महुली

ग्रामीणों ने बताया कि बरसात का मौसम शुरू होने वाला है। ऐसे समय में यदि उनके प्रधानमंत्री आवास तोड़ दिए जाते हैं तो पूरा परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो जाएगा। उनका कहना है कि जीवनभर की जमा-पूंजी और सरकारी सहायता से मिला आशियाना उजड़ जाएगा, जबकि दोबारा प्रधानमंत्री आवास मिलने की कोई संभावना नहीं है।

वन विभाग द्वारा जारी नोटिस में भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 72 का उल्लेख करते हुए तीन दिनों के भीतर वन भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। नोटिस के बाद प्रभावित परिवारों में भय और असुरक्षा का माहौल है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और छत्तीसगढ़ शासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा बरसात के मौसम में गरीब परिवारों को बेघर न किया जाए। साथ ही यदि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करनी है तो मोहरसोप बीट क्रमांक P-562 में रहने वाले सभी लोगों के खिलाफ एक समान कार्रवाई की जाए।

अब यह मामला प्रशासनिक कार्रवाई, प्रधानमंत्री आवास योजना की उपयोगिता और वन भूमि पर वर्षों से बसे लोगों के भविष्य को लेकर कई सवाल खड़े कर रहा है। क्षेत्र के लोगों की निगाहें जिला प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हुई हैं। इसके बारे में बिहारपुर रेंजर मेवालाल पटेल से फोन पर संपर्क किया गया तो उनके द्वारा फोन नहीं उठाया गया इस कारण से उनका पक्ष नहीं रख पाए

पीएम आवास पर वन विभाग का बुलडोजर संकट, 100 से अधिक ग्रामीणों की बस्ती में सिर्फ तीन गरीब परिवारों को नोटिस, भेदभाव के आरोप से गरमाया मोहरसोप

बरसात से पहले बेघर होने का खतरा, ग्रामीणों का सवाल- जब 50 से अधिक मकान बने हैं तो कार्रवाई सिर्फ तीन लोगों पर क्यों?

क्यूँ न लिखूँ सच/ चांदनी-बिहारपुर, सूरजपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत मोहरसोप गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकानों पर वन विभाग की कार्रवाई को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। वन विभाग द्वारा वन भूमि पर अतिक्रमण का हवाला देते हुए तीन गरीब परिवारों को नोटिस जारी कर तीन दिनों के भीतर मकान खाली करने का आदेश दिया गया है। साथ ही निर्धारित समय सीमा के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाने पर मकान तोड़ने की चेतावनी भी दी गई है। इस कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है और ग्रामीण वन विभाग पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार मोहरसोप बीट क्रमांक क्क-562 में रहने वाले लालजी साकेत, जगधारी शाहू एवं शीतला प्रसाद विश्वकर्मा को वन विभाग की ओर से नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 72 का उल्लेख करते हुए तीन दिनों के भीतर वन भूमि से कब्जा हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि जिन मकानों को वन विभाग अतिक्रमण बता रहा है, वे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने हुए हैं। शासन द्वारा पात्रता के आधार पर आवास स्वीकृत किए गए, निर्माण कराया गया और अब उन्हीं मकानों को तोड़ने की बात कही जा रही है। इससे गरीब परिवारों के सामने सिर छिपाने का संकट खड़ा हो गया है।

100 से अधिक ग्रामीण काबिज, 50 से ज्यादा मकान बने, फिर सिर्फ तीन लोगों पर कार्रवाई क्यों?- ग्रामीणों का आरोप है कि मोहरसोप बीट क्रमांक क्क-562 में केवल तीन परिवार नहीं बल्कि 100 से अधिक ग्रामीण वर्षों से निवास कर रहे हैं। यहां 50 से अधिक मकान बने हुए हैं और अनेक परिवार लंबे समय से निवासरत हैं। इसके बावजूद वन विभाग ने केवल तीन गरीब परिवारों को नोटिस जारी कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि भूमि वास्तव में वन विभाग की है और अतिक्रमण हटाना आवश्यक है तो कार्रवाई सभी लोगों पर समान रूप से होनी चाहिए। केवल चुनिंदा परिवारों को निशाना बनाना न्यायसंगत नहीं है। इस कारण ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

बरसात के पहले उजड़ जाएगा आशियाना- नोटिस मिलने के बाद प्रभावित परिवारों में भय और चिंता का माहौल है। उनका कहना है कि बरसात का मौसम शुरू होने वाला है। ऐसे समय में यदि प्रधानमंत्री आवास तोड़ दिए गए तो महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो जाएंगे।

ग्रामीणों का कहना है कि जीवनभर की मेहनत और शासन की सहायता से मिला उनका आशियाना उजड़ जाएगा। एक बार मकान टूटने के बाद दोबारा प्रधानमंत्री आवास मिलने की संभावना भी बेहद कम है। ऐसे में उनका पूरा परिवार संकट में पड़ जाएगा।

ग्रामीणों ने उठाई निष्पक्ष जांच की मांग- ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, वन विभाग के उच्च अधिकारियों एवं छत्तीसगढ़ शासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि बरसात के मौसम में गरीब परिवारों को बेघर करना अमानवीय कदम होगा। यदि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करनी है तो मोहरसोप बीट क्रमांक क्क-562 में निवास कर रहे सभी लोगों के मामले की जांच कर एक समान कार्रवाई की जाए।

वन विभाग की इस कार्रवाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकानों की वैधता, वन भूमि पर वर्षों से बसे लोगों के अधिकार तथा प्रशासनिक कार्यवाही की निष्पक्षता को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब पूरे क्षेत्र की निगाहें जिला प्रशासन के अगले निर्णय पर टिकी हुई हैं।

रेंजर का पक्ष नहीं मिला- इस संबंध में बिहारपुर रेंजर मेवालाल पटेल से मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया। इस कारण समाचार में उनका पक्ष शामिल नहीं किया जा सका।

संक्षिप्त समाचार

नि:शुल्क नाट्य कार्यशाला के दूसरे दिन दो दर्जन प्रतिभागियों ने कराये पंजीकरण

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन)। भारतीय जन नाट्य संघ इप्टा इकाई कोंच एवं कोंच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के संयुक्त बैनर तले कमला नेहरू बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित नि:शुल्क बाल एवं युवा रंगकर्मी नाट्य कार्यशाला के लिए दूसरे दिन करीब दो दर्जन प्रतिभागियों ने अपना पंजीकरण कराया। कार्यशाला को लेकर बच्चों और युवाओं में उत्साह देखने को मिल रहा है।इप्टा अध्यक्ष अनिल कुमार वैद ने बताया कि कार्यशाला प्रतिदिन प्रात: 7 बजे से 10 बजे तक आयोजित की जा रही है। इसमें प्रति भागियों को नाटक, संगीत, नृत्य अभि नय तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य क्षेत्र की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा उनमें कलात्मक अभिरुचि का विकास करना है।

इप्टा के प्रांतीय सचिव डॉ मुहम्मद नईम बोबी ने कहा कि रंगमंच व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। इससे बच्चों और युवाओं में आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति क्षमता तथा सामाजिक सरोकारों की समझ विकसित होती है। उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं से कार्यशाला से जुड़ने का आह्वान किया।

कार्यशाला संयोजक पारसमणि अग्रवाल ने कहा कि प्रति भागियों को अनु भवी प्रशिक्षकों द्वारा रंगमंच की विभिन्न विधाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही उन्हें मंचीय अनुशासन और सांस्कृतिक गति विधियों की बारी कियों से भी अवगत कराया जाएगा।कार्यशाला के आयोजन और पंजीकरण व्यवस्था में दानिश मंसूरी, कैफ सहित अन्य कार्यकर्ता सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि आगामी दिनों में और अधिक प्रतिभागियों के जुड़ने की उम्मीद है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

101 गुमशुदा मोबाइल अनुमानित कीमत 25,00,000 बरामद, बरामद मोबाइल उनके धारकों को किया गया सुपुर्द

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेंद्र तिवारी / पुलिस अधीक्षक बहराइच महोदय श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री आयुष विक्रम सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी के पर्यवेक्षण में समस्त क्षेत्राधिकारीगण के नेतृत्व में सर्विलांस टीम को मिली सफलता... जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुमशुदा हुये विभिन्न कम्पनियों के कुल 101 मोबाइल फोन कीमत लगभग ?25,00,000/- बरामद कर उनके स्वामियों को सुपुर्द किया गया । विवरण- पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में जनपद में गुमशुदा मोबाइल फोनों की बरामदगी हेतु सर्विलांस टीम एवं समस्त थाना प्रभारी/थानाध्यक्षों के नेतृत्व में विशेष अभियान संचालित किया गया। उक्त अभियान के क्रम में जनपदीय सर्विलांस टीम द्वारा सभी थानों से समन्वय स्थापित करते हुए भारत सरकार द्वारा संचालित सीईआईआर (ष्टश्वढ्ढक्र) पोर्टल की नियमित मॉनीटरिंग की गई । अभियान के दौरान जनपदीय पुलिस टीमों द्वारा विभिन्न कंपनियों, जिनमें एप्पल, सैमसंग, वीवो, ओप्पो, टेक्नो, रेडमी एवं वनप्लस आदि के कुल 101 गुमशुदा मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किए गए।

बरामद मोबाइल फोनों को आज दिनांक 07.06.2026 को पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा संबंधित मोबाइल धारकों को विधिवत सुपुर्द किया गया। अपना खोया हुआ मोबाइल फोन प्राप्त कर लाभार्थियों द्वारा बहराइच पुलिस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पुलिस की तत्परता एवं प्रभावी कार्यप्रणाली की सराहना की गई।

इस अवसर पर महोदय द्वारा जनसामान्य से अपील की गई कि वे अपने मोबाइल फोन में 'संचार सारथी' एप प्ले स्टोर से डाउनलोड कर लें, जिससे मोबाइल फोन गुम होने की स्थिति में पंजीकृत मोबाइल नंबर पर आवश्यक सूचनाएं प्राप्त होती रहें। साथ ही, मोबाइल फोन गुम होने पर मोबाइल की बिल/आईएमईआई संख्या, आधार कार्ड एवं अन्य पहचान पत्र के साथ अपने स्थानीय थाने पर उपस्थित होकर/ ऑनलाइन सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। मोबाइल फोन बरामद होने अथवा प्रकरण में की गई पुलिस कार्यवाही की सूचना पंजीकृत मोबाइल नंबर पर उपलब्ध कराई जाती रहेगी। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा गुमशुदा मोबाइल फोनों की बरामदगी में उत्कृष्ट कार्य करने वाली जनपदीय सर्विलांस टीम को पुरस्कृत किए जाने की घोषणा भी की गई।

मिशन शक्ति अभियान 5.0 के द्वितीय चरण के तहत जनपद के विभिन्न स्थानों पर बहू-बेटी सम्मेलन व जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं/बालिकाओं को किया गया सशक्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेंद्र तिवारी / मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के द्वितीय चरण के तहत जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति/एंटी रोमियो टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में भ्रमण कर बहू-बेटी चौपाल एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों, उनके अधिकारों, तथा सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया गया। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, मिशन शक्ति टीमों ने उन्हें विभिन्न सहायता सेवाओं, सरकारी योजनाओं और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी उपलब्ध कराई। प्रमुख बिंदु- महिलाओं पर होने वाले अपराधों की पहचान और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही उनकी

समस्याओं को सुनकर समाधान हेतु दिशा-निर्देश दिए गए। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर 1090 - वीमेन पावर लाइन, 1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन, 1076 - सीएम हेल्पलाइन, 112 - इमरजेंसी सेवा, 181 - महिला हेल्पलाइन, 108 - एम्बुलेंस सेवा, 1930 - साइबर अपराध शिकायत हेल्पलाइन आदि के बारे में जानकारी दी गयी । महिलाओं व बालिकाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, जिससे वे लाभान्वित हो सकें। साथ ही मानव तस्करी / बाल तस्करी पर विशेष रूप से जानकारी दी गई कि इन अवैध गतिविधियों से कैसे सतर्क व सुरक्षित रहा जा सकता है। इसके अतिरिक्त महिलाओं को आत्म-रक्षा के सरल व प्रभावी तरीकों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया ताकि वे किसी भी विषम परिस्थिति में स्वयं की रक्षा कर सकें।

You'll be surprised to learn the side effects of high cholesterol; it can have serious effects on everything from the heart to the kidneys.

When cholesterol levels are high in the body, symptoms begin to appear. Due to today's hectic lifestyle, poor diet, and lack of physical activity, the problem of high cholesterol is rapidly increasing. Cholesterol is a fat-like substance that is essential for the body, but excessive amounts can pose a serious threat to health. The problem is that high cholesterol is often called a "silent killer" because it doesn't show obvious symptoms in the early stages. However, when bad cholesterol (LDL) levels in the body increase significantly, it accumulates in the arteries and affects blood flow. Therefore, it's crucial to recognize some of the signals the body gives off. Let's explore the symptoms of high cholesterol, its side effects, and ways to prevent it. Symptoms of High Cholesterol: Chest Pain - Cholesterol accumulation in the arteries can affect blood flow, causing chest pain or pressure. Shortness of Breath - When the heart doesn't receive enough blood and oxygen, it can cause difficulty breathing. Feeling tired quickly - Feeling extremely tired even with normal activities can be a sign of high cholesterol. Leg pain or cramps - When blood circulation is affected, pain, numbness, or cramps may occur in the legs. Yellow spots on the skin - Some people may notice yellow fatty deposits around the eyes or skin. Side effects of high cholesterol - Increased risk of heart disease. When the amount of bad cholesterol (LDL) in the body increases, it begins to accumulate on the walls of the arteries. Over time, this accumulation narrows and hardens the blood vessels, preventing adequate blood and oxygen from reaching the heart. This situation significantly increases the risk of heart attack, coronary artery disease, and other cardiovascular diseases. Increased risk of stroke. High cholesterol can affect not only the heart but also the brain. When cholesterol accumulates in the arteries supplying blood to the brain, blood flow can be obstructed. If an artery becomes completely blocked, a stroke can occur, which can even prove fatal. Problem of high blood pressure- Due to accumulation of cholesterol in the arteries, the flow of blood gets obstructed. Due to this, the heart has to work harder to pump blood, which can cause increase in blood pressure. Long-term high blood pressure can have serious effects on the heart, brain and kidneys. Kidney function can get affected. Kidneys need adequate blood flow to function properly. When cholesterol starts accumulating in the kidney arteries, their function can get affected. This can increase the risk of kidney diseases and uncontrolled cholesterol for a long time can damage the kidneys. Measures to prevent high cholesterol- Eat a balanced and low-fat diet. Exercise regularly. Stay away from smoking and alcohol. Keep your weight under control. Get a lipid profile test done from time to time.

Love Marriage Tips: Family not agreeing to a love marriage? These 5 mistakes can worsen your difficulties

Family disagreement with a love marriage poses a significant challenge for many couples. Mistakes like haste, lying, distancing from family, or applying emotional pressure can worsen the situation. Patience, open communication, trust, and timely decisions can help strengthen relationships. Love marriages are becoming more accepted in India than ever before, but even today, many families are unable to easily accept such relationships due to caste, religion, social background, financial status, or family traditions. Many couples find themselves caught between two difficult paths: their love on one hand and the feelings of their families on the other. When family members refuse to accept a love marriage, couples often make decisions out of emotional stress, anger, and disappointment that further create distance in their relationships. Some people stop communicating with their families, some argue repeatedly, while others take hasty steps that have long-lasting consequences. Relationship experts believe that the most important thing in such situations is patience and communication. Every family has different concerns, and understanding them is just as important as expressing your own feelings. If the situation is handled wisely, in many cases the family can gradually accept the relationship. Let's explore what to do if the family doesn't agree to a love marriage and the mistakes that most couples make. Try to understand the family's concerns - When love is not accepted, people assume that the family is against their happiness. However, no family is against the happiness of their child. Often, parents' concerns are about the future, social pressure, or the stability of the relationship. First, you must remove the thought from your mind that the family doesn't care about your feelings. By listening carefully to them, you will be able to try to understand their concerns. This can also improve the conversation environment. Trying to force one's point of view alone can make a solution difficult. Hasty decisions are the biggest mistake: Many couples, after facing family opposition, rush to make a major decision. However, decisions made under emotional pressure can cause stress later. If the relationship is strong, it's worth taking some time to understand the situation. In such a situation, finding a peaceful solution can be more effective. Lying and concealing can weaken relationships. Some people, fearing their family, hide their relationship for a long time or fabricate different stories. When the truth comes out, trust can be damaged. Honesty and transparency help strengthen relationships. However, communicating at the right time and in the right manner is equally important. Try to bring the family and partner face to face. Sometimes, the family disagrees simply because they don't know the other person well. If the environment is conducive, facilitating a respectful dialogue between the two families or between the partner and the family can reduce misunderstandings. Often, in-person meetings allay many fears. Avoid emotional blackmail or pressure - Some couples resort to anger, threats, or emotional pressure to persuade their families. This can further strain relationships. Maintain respectful communication with family. Presenting your point of view in a rational manner can yield more positive results. Showing maturity in a relationship helps build trust.

Health Tips: Do you also eat rusks dipped in tea? Learn about its serious side effects.

If you enjoy eating toast or rusks with tea, read this article to the end. We'll tell you how dangerous it is. Eating rusks or toast with morning and evening tea is a common habit in India. Many people eat it daily, considering it a light and healthy snack. Especially the elderly and office-goers enjoy dipping rusks in tea. However, this food, popular for its taste and convenience, isn't always beneficial for health. Most rusks available in the market are made from refined flour, sugar, refined oil, and preservatives, which can have negative effects on the body if consumed excessively. According to experts, eating rusks daily and in large quantities can increase the risk of many health problems. Therefore, it's important to understand how the habit of eating rusks with tea can affect your health and what its potential side effects are. Most rusks can increase blood sugar. Most rusks contain refined flour and sugar. Excessive consumption can rapidly increase blood sugar levels, which can be harmful for diabetic patients. Risk of weight gain: Rusks are relatively high in calories and low in nutrition. Eating too much rusk regularly can lead to weight gain. Digestive problems: Rusks are very low in fiber. Excessive consumption can increase problems like constipation, gas, and indigestion. Nutritional deficiencies: Rusks may be filling, but they are low in vitamins, minerals, and protein. Consuming them frequently does not provide adequate nutrition. Effect on heart health: Some packaged rusks use trans fats and refined oils, which can increase bad cholesterol in the long run. Frequent hunger pangs: Flour-based foods are digested quickly, which can lead to hunger again after a short while, increasing the likelihood of overeating. Should rusks be completely avoided? Consuming rusks in limited quantities is generally not considered harmful. However, instead of eating several rusks every day, it may be better to choose healthy options like multigrain biscuits, dry fruits, roasted gram or fruits.

Whose death devastated Deepika Padukone? Then she decided to speak out about mental health; her father offered support.

Deepika Padukone herself suffered from depression. She spoke openly about this issue. She made this decision after the death of a close loved one. Recently, her father, Prakash Padukone, spoke openly about this. Deepika Padukone is very serious about mental health issues like depression. She encourages people to talk about mental health. He himself has struggled with depression for a long time. In a recent interview, Deepika Padukone's father also spoke about the actress's mental health issues. He also praised the actress's initiative to raise awareness about depression. Her father fully supported Deepika - On Rodrigo Canelas' show "The Something Bigger Show," Deepika Padukone's father, Prakash Padukone, mentioned Deepika's mental health issues. He explains that when his daughter decided to open up about her mental health struggles, he and his wife, Ujjala Padukone, fully supported Deepika. Prakash Padukone says, "If it was helping others, we had no problem with it, because Deepika was in a position where she could help people. I think she understood this, so she came forward and talked about it (depression)." A major decision was made after the death of a friend. Prakash Padukone also explained that Deepika decided to speak out about depression after the death of a friend. He says in the interview, "A friend of Deepika's died, and that's when her daughter decided that something should be done to raise awareness about mental health. That's when Deepika started thinking about her foundation." Deepika spreads awareness about mental health, and for this, she has established her own foundation. Deepika Padukone will be seen in these films - On the career front, Deepika Padukone will be seen in Shah Rukh Khan's film "King." She is also playing a key role in South superstar Allu Arjun's film "Raaka." On the personal front, Deepika Padukone is pregnant for the second time.

How did netizens like Bobby Deol's "Bandar"? Some called the film excellent; others praised Anurag Kashyap's direction.

Bobby Deol's film "Bandar" was released in theaters on June 5th. Find out what netizens are reacting to the film on social media. After films and series like "Animal" and "Ashram," Bobby Deol is seen in "Bandar." This film is directed by Anurag Kashyap. Find out how users are reacting to the film on social media. Netizens' Opinions on X: Netizens have praised Bobby Deol profusely in the film "Bandar." One user wrote, "Bobby has played the best role of his life in this film, as a movie star." Another user wrote, "The police station sequence in "Bandar" is the best. Every actor is fully immersed in their roles, and Bobby Deol is still doing a great job." Another user wrote, "A unique thriller film." Bobby Deol's brilliant performance." Another user wrote, "Anurag Kashyap, Bollywood needs you." Another user wrote, "This is a very realistic and deep film. This is not a film for entertainment but one for awareness. Anurag Kashyap has thoroughly injected realism into the audience." Another user wrote, "This film shows how the passion of love can ruin lives. It also sheds light on the dark truth of prison." Many users gave the film a 3, while others gave it a 4. All about the film "Bandar" - Directed by Anurag Kashyap, "Bandar" is a Hindi drama film. Bobby Deol plays Samar, a former television star who is falsely accused of rape by his ex-girlfriend. The film depicts the helplessness and social trials of an ordinary man trapped in the system.

Karisma Kapoor's performance won hearts, but does the story have the same impact?

The series "Brown," starring Karisma Kapoor, has also been streamed on OTT platforms. Filled with murder mysteries and thrillers, does this series leave a lasting impact? Read the review of the web series "Brown." Every other week, a new serial killer emerges on OTT platforms. A troubled police officer is tasked with catching them. The web series "Brown" also comes from this same world. The only difference is that Karisma Kapoor plays a police officer here, and after a long time, she has been given a role that involves smoking cigarettes, getting angry, and dealing with difficult people more than smiling. In the series, Karisma Kapoor plays Rita Brown. Rita drinks, rolls cigarettes, and is also grappling with personal problems. Meanwhile, a series of murders of women begins in Kolkata, and she is tasked with investigating them. The murder case is intriguing from the beginning, but this series doesn't aim to be simply a story about finding the murderer. She also spends a lot of time with her characters, sometimes so much so that the investigation seems to lag a bit. Story: The series begins with a murder during Durga Puja. The police are mobilized after the murder of a young woman named Ahana Jaiswal. The case involves a large and influential family, so the police are under pressure and the media's scrutiny. Rita Brown is assigned to the case. She is known as a good officer in the department, but she also has her own set of controversies. She is assisted in the investigation by Arjun Sinha (Surya Sharma). As Ahana's family begins to be questioned, many new facts emerge. Family relationships are strained, certain things are being hidden, and suspicion falls on several people. The matter becomes even more complicated when another similar murder occurs. Following this, the police suspect they are pursuing a serial killer. Along with the case, Rita's personal life also plays a major role in the story. Department politics, media pressure, and her own troubles complicate the investigation. The story raises the question of who is behind these murders until the end. Acting The biggest strength of this series is Karisma. She perfectly embodies the role of Rita Brown. This is a character who doesn't always appear strong. She also gets angry, breaks down, and sometimes makes wrong decisions. Audiences have long seen Karisma in glamorous and light-hearted roles. Therefore, Rita Brown is a completely different role for her. There's no glamour here, nor any attempt to project starry aura. The fatigue, irritability, and loneliness on her face are clearly visible in her acting. After a long time, she has been given a role that allows her to showcase her acting skills.Surya Sharma also does a good job. Arjun Sinha's character has his own personal story, and he portrays it well. Karisma and Surya make a good pairing together. Jisshu Sengupta's role is small, but he commands attention. Veteran actors Soni Razdan and Helen Khan appear for a short time. It would have been better if they had a little more screen time. Shaan's OTT debut is good, and he seems comfortable in his role. Director Abhinay Deo has previously handled diverse stories in projects like "Delhi Belly," "Blackmail," and "24." His focus on creating an atmosphere is evident in "Brown." Adapting Abhik Barua's novel "City of Death" into a web series, he makes good use of the Kolkata setting. The rain, the city streets, and the dark atmosphere fit the story well. However, in many places, the story follows a familiar path. Such stories, involving serial killers, police investigations, and characters grappling with personal issues, have been seen many times on OTT platforms. It's as if they've been seen in many crime thrillers before. The actors put effort into creating the atmosphere, and it's evident on screen. The only problem is that the story sometimes lingers in the same setting for too long. What's good? The biggest strength of "Brown" is its atmosphere. Cinematographer Amogh Deshpande has captured Kolkata beautifully. The rain, empty streets, and the city's atmosphere blend seamlessly with the story. Karisma's acting is a strength to the series. Even when the story slows down at times, she maintains the audience's attention. Surya Sharma also provides good support. What's bothering you? "Brown" seems in no hurry to get anywhere. At times, the audience seems more in a hurry than the story itself. Some episodes feel shorter and would have been more impactful. Initially, it seems like the serial killer case will accelerate the story, but after a few episodes, it becomes clear that the series prefers a slower pace. Because of this, even some major revelations don't have the same impact. The series strives to create a heavy and gloomy atmosphere from the beginning. The problem is that this becomes its weakness after a while. Almost every character here is embroiled in some kind of trouble. This seems interesting in the beginning, but later it starts to feel repetitive. At times, the focus shifts more to the characters' suffering than the murder investigation. Actors like Soni Razdan and Helen Khan haven't received much exposure. While the story picks up some pace towards the final episode, the climax doesn't quite live up to expectations. Should you watch it or not? 'Brown' is a murder mystery. There's a serial killer, and there are many twists that keep you engaged with the story. But this isn't one of those crime thrillers that tries to deliver a major twist in every episode. Karisma Kapoor is the series' biggest strength. If she weren't in the series, its shortcomings would have been even more noticeable. Overall, "Brown" is a series in which Karisma Kapoor often overtakes the story. After seven episodes, not everyone may remember who the murderer was, but Rita Brown is definitely remembered. Perhaps this is both the series' biggest success and its biggest drawback.